धनबाद, बुधवार
24 जून 2026
वर्ष : 03 अंक : 264
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

तीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों को बदलना चाहती है भाजपा: अखिलेश यादव का दावा

लखनऊ (एजेंसी) :समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया है कि भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों को बदलने की तैयारी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के खिलाफ लगाए जा रहे आरोप इसी कथित रणनीति का हिस्सा हैं।

लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से जुड़े भूमि विवाद के आरोपों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ऐसे विवादों के जरिए मुख्यमंत्री बदलने का रास्ता तलाश रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा पहले मध्य प्रदेश और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों को हटाना चाहती है और उसके बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हटाने की योजना है। उन्होंने इसे भाजपा के भीतर चल रही साजिश करार दिया। सपा प्रमुख ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की जनता राजनीतिक परिस्थितियों को समझ रही है और आगामी चुनावों में इसका जवाब देगी। उन्होंने भाजपा पर आंतरिक खींचतान और सत्ता संघर्ष का आरोप भी लगाया। हालांकि, भाजपा की ओर से पहले भी मुख्यमंत्री बदलने संबंधी अटकलों को खारिज किया जाता रहा है।

हिमाचल प्रदेश में बड़ा हादसा: सतलुज नदी पर लोहे का पुल गिरा, राष्ट्रीय राज मार्ग-05 ठप

किन्नौर (एजेंसी) : हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो गया, जब सतलुज नदी पर बना लोहे का पुल अचानक टूटकर गिर गया। इस घटना के बाद राष्ट्रीय राज मार्ग-05 ठपपर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई और दोनों ओर लंबा जाम लग गया।

जानकारी के अनुसार, टापरी और चोलिंग के बीच उरनी ढांक के पास यह पुल अचानक भरभरा कर नदी में जा गिरा। उसी समय वहां से गुजर रहा एक टिप्पर भी पुल के साथ सीधे सतलुज नदी में समा गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि टिप्पर चालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और उसे मामूली चोटें आई हैं।

घटना के बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया गया। प्रशासन ने एहतियातन इलाके में ट्रैफिक को वैकल्पिक मार्ग–उरनी-चोलिंग सड़क मार्ग–से डायवर्ट कर दिया है।

पुल टूटने से क्षेत्र का संपर्क बुरी तरह प्रभावित हुआ है और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और यातायात व्यवस्था पर भी असर पड़ा है। प्रशासन ने कहा है कि पुल गिरने के कारणों की जांच की जा रही है और तकनीकी टीम को मौके पर भेजा गया है।

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली(एजेंसी) : मोदी सरकार में केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका राज्यसभा का कार्यकाल खत्म हो गया है, जिसके चलते उन्होंने मंत्रिपरिषद छोड़ दिया है। राष्ट्रपति कार्यालय के मुताबिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कुरियन का इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया है। बीजेपी ने हाल ही में हुए राज्यसभा चुनावों में जॉर्ज कुरियन को फिर से मौका नहीं दिया। यही वजह है कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्रीय मंत्रिपरिषद से जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। जॉर्ज कुरियन अल्पसंख्यक मामलों के साथ-साथ मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री का पद भी संभाल रहे थे। जॉर्ज कुरियन केरल से आते हैं और केंद्र की मोदी सरकार में अकेले ऐसे मंत्री थे जो ईसाई समुदाय से थे।

झामुमो सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री स्व.शिबू सोरेन सहित 64 हस्तियों को मिला पद्म सम्मान

राष्ट्रपति मुर्मु ने दूसरे नागरिक अलंकरण समारोह में 2 पद्म विभूषण, 7 पद्म भूषण और 55 पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए

नई दिल्ली, (एजेंसी) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह के दूसरे चरण में अभिनेता ममूटी, पार्श्व गायिका अलका याज्ञनिक, क्रिकेटर रोहित शर्मा, अभिनेता आर. माधवन और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन सहित 64 हस्तियों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया। इस अवसर पर दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण और 55 पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए गए।

समारोह में केरल के प्रख्यात मलयालम पत्रकार पी. नारायणन को साहित्य एवं शिक्षा तथा उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश के. टी. थोमस को लोक कार्य के क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति ने मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता ममूटी को उनके लंबे और उत्कृष्ट फिल्मी योगदान के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इस दौरान उनके पुत्र और अभिनेता दुलकर सलमान भी दर्शक दीर्घा में मौजूद रहे और उन्होंने अपने पिता को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक प्राप्त करते देखा।

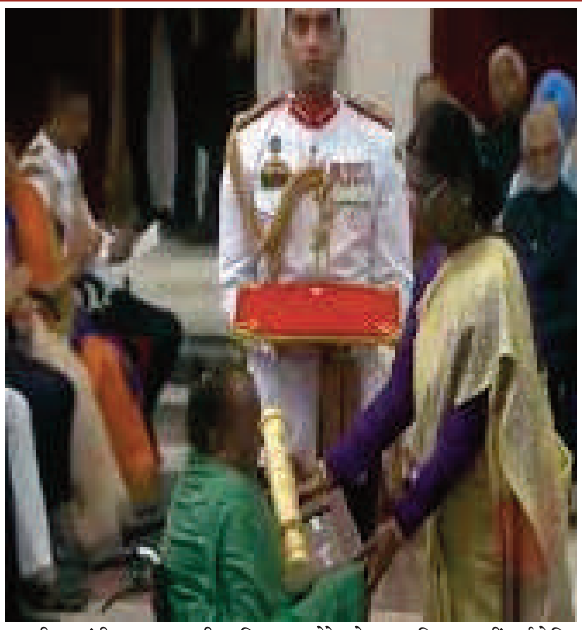

भारतीय संगीत जगत की प्रसिद्ध गायिका अलका याज्ञनिक को उनके बहुमूल्य योगदान के लिए पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इसके अलावा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और आदिवासी नेता शिबू सोरेन (मरणोपरांत) पद्म भूषण से सम्मानित किय गया। पुरस्कार उनकी पत्नी रुपी सोरेन ने ग्रहण किया। वहीं पूर्व टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. एस. के. एम. मयिलानंदन, सामाजिक नेता वेल्लापल्ली नटेसन तथा प्रख्यात ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. दत्तात्रेयुडु नोरी को भी पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति ने अभिनेता आर. माधवन को भारतीय सिनेमा और कला क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए पद्म सम्मान प्रदान किया गया। इसके अलावा पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त करने वालों में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान सविता पूनिया, तेलुगु अभिनेता राजेंद्र प्रसाद, अभिनेता डॉ. अनिल कुमार रस्तोगी, तकनीकी विशेषज्ञ शशि शेखर वेम्पति, संथाली शिक्षाविद चरण हेम्ब्रम, कांसा उत्कीर्णन कलाकार चिरंजी लाल यादव, आधुनिक असमिया रंगमंच के शिल्पकार नुरुद्दीन अहमद, मृदंगम वादक तिरुवारूर भक्तवत्सलम्, पदार्थ भौतिकी वैज्ञानिक डॉ. कृष्णमूर्ति बालासुब्रमण्यन, समाजसेवी बृजलाल भट्ट, संतूर वादक तरुण भट्टाचार्य, जामदानी और मलमल बुनाई के शिल्पकार जोतिश देबनाथ, रेशम विशेषज्ञ डॉ. जोगेश देउरी, तारपा वादक भिकल्या लाडक्या धिंडा, मानव दुग्ध बैंक की अग्रणी डॉ. अर्मिडा फर्नांडीज, वैज्ञानिक डॉ. चंद्रमौली गड्डमनुगु, डॉ. प्रेमलाल गौतम, कांस्य मूर्तिकार डॉ. राजस्थापति कालियप्पा गौंडर, डॉ. पदमा गुरमेद, अशोक कुमार हालदार, डॉ. सुरेश हनगवाड़ी, एयरोस्पेस वैज्ञानिक डॉ. शुभा वेंकटेश अय्यंगार, डेरा सचखंड बल्लां के संत निरंजन दास, कंप्यूटर वैज्ञानिक प्रो. वी. कामकोटी, शास्त्रीय गायिका प्रो. मंगला कपूर, उद्योगपति डॉ. अशोक खाडे, भाषाविद् डॉ. लियुदमीला खोखलोवा, शिक्षाविद् डॉ. प्रभाकर बसप्रभु कोरे, कार्बी लोकगायिका पखील लेकथेपी, मोहिनीअट्टम गुरु कलामंडलम विमला मेनोन, अभिनेता मागंटि मुरली मोहन, पर्यावरण संरक्षक मोहन नागर, पशु चिकित्सा वैज्ञानिक डॉ. पुण्यमूर्ति नटेसन, हथकरघा शिल्पकार सरत कुमार पात्र, सीमांचल पात्र, नागा लोककलाओं के संरक्षक गुरु संग्युसंग पोंगनर, वरिष्ठ सिविल सेवक रा. वे. सु. मणि, कृषि वैज्ञानिक प्रो. के. रामासामी, कर्नाटक संगीत की युगल कलाकार रजनी एवं गायत्री, प्रो. महेंद्र नाथ राय, जठरांत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रतीक शर्मा, पूर्व आईपीएस अधिकारी सरदार इंदरजीत सिंह सिद्धू, हथकरघा एवं भित्ति चित्र कलाकार खेमराज सुंद्रियाल, जनजातीय क्षेत्रों में कार्य के लिए बुधरी ताती, वैज्ञानिक डॉ. कुमारासामी थंगराज तथा जनजातीय साहित्यकार नरेश चंद्र देव वर्मा प्रमुख रहे।

राष्ट्रपति ने पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं तीन बार सांसद रहे कबीन्द्र पुरकायस्थ, अभिनेता सतीश शाह, उद्योगपति टी. टी. जगन्नाथन, सहकारिता क्षेत्र के अग्रणी रामा रेड्डी मामिदी, कुश्ती प्रशिक्षक व्लादिमीर मेरिस्तवरीश्विली, बुंदेली लोककला संरक्षक भगवान दास रायकवार, कृषि विशेषज्ञ रघुपत सिंह तथा संथाली साहित्यकार रबीरलाल टुडू को मरणोपरांत पद्म श्री से सम्मानित किया। इनके परिजनों ने पुरस्कार ग्रहण किए।

राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस गरिमामय समारोह में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्रिपरिषद के सदस्य, विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियां तथा पुरस्कार विजेताओं के परिजन उपस्थित रहे ।उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति मुर्मु ने 25 मई को आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह के प्रथम चरण में 66 हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किए थे। केंद्र सरकार ने वर्ष 2026 के लिए कुल 131 पद्म पुरस्कारों को मंजूरी दी है, जिनमें पांच पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं।

ब्रिक्स एनएसए ने आतंक से निपटने की प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली, (एजेंसी) : ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की 16वीं बैठक मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित की गई। इस दौरान आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से निपटने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई गई, जिसमें आतंकवादियों द्वारा नई तकनीकों के इस्तेमाल का मुकाबला करना भी शामिल है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों व प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों ने 2026 में भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के लिए अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया, जिसका विषय था: ₹लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण₹। बैठक के समापन के बाद उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संयुक्त रूप से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों से मिलकर प्रसन्नता हुई। बदलते वैश्विक परिदृश्य में, ब्रिक्स

सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने और आतंकवाद, साइबर सुरक्षा से लेकर उभरती प्रौद्योगिकियों तक की साझा चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत की अध्यक्षता में व्यावहारिक सहयोग को बढ़ावा देने, वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं का समर्थन करने और एक सुरक्षित, अधिक संरक्षित और समावेशी विश्व के निर्माण में योगदान देने का प्रयास किया जाएगा।ह्व

ब्रिक्स एनएसए के दौरान ब्रिक्स सदस्य देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों व प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों ने दुनिया के सामने मौजूद सुरक्षा चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में उन्होंने ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा, आतंकवादी नेटवर्क द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली नई तकनीकों, साइबर सुरक्षा और जलवायु-जनित अस्थिरता से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा की।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों एवं प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों ने 21-22 मई को आयोजित आतंकवाद-रोधी ब्रिक्स संयुक्त कार्य समूह और 8-9 जून को आयोजित सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के उपयोग में सुरक्षा पर कार्य समूह की गतिविधियों और परिणामों की समीक्षा भी की। नेताओं ने ब्रिक्स सहयोग को और बढ़ाने, विशेष रूप से सदस्यों की क्षमता को मजबूत करने, सूचना साझा करने को बढ़ाने और आतंकवाद तथा साइबर जोखिमों का सामूहिक रूप से मुकाबला करने के लिए ब्रिक्स कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करने पर का समर्थन किया।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का बयान घरेलू मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश: भारत

नई दिल्ली, (एजेंसी) :भारत ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री की धमकी को घरेलू मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश करार दिया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को यहां साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कहा कि ऐसे बयान पाकिस्तान की अपनी नाकामियों को छिपाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन से ध्यान भटकाने की हताशा भरी कोशिश हैं।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि पानी की सुरक्षा से जुड़े खतरों के कारण सिंधु जल संधि को लेकर युद्ध हो सकता है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 1960 की जल संधि को निलंबित कर दिया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम

इन मनगढ़ंत दावों को पूरी तरह और पूरी सख्ती के साथ खारिज करते हैं। पाकिस्तान के अवैध और जबरन कब्जे वाले इलाकों में हो रहे विरोध-प्रदर्शन, पाकिस्तान की दशकों पुरानी नीतियों का नतीजा हैं, जिनमें व्यवस्थित आर्थिक शोषण, मौलिक अधिकारों से वंचित रखना और प्रशासनिक दमन शामिल है। इन इलाकों में पाकिस्तान ने पुलिस की बर्बरता, जरूरी सामान और दवाओं की सप्लाई रोकना, इंटरनेट बंद करना और निहत्थे नागरिकों के खिलाफ जानलेवा बल का इस्तेमाल करके प्रतिक्रिया दी है।

राममंदिर चढ़ावा चोरी की रिपोर्ट एसआईटी ने सरकार को सौंपी

एफआईआर और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश

अब जमीन खरीद-फरोख्त की होगी जांच

-एसआईटी के रडार पर नए चेहरे, मेटल के इस्तेमाल और स्टोरेज की भी होगी पड़ताल

अयोध्या(एजेंसी) : अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एसआईटी ने मंगलवार को अपनी जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी। सूत्रों के मुताबिक, इसमें एफआईआर दर्ज करने और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। किसी सीनियर अफसर को मंदिर का ष्टश्वह्र नियुक्त करने का भी सुझाव है। डिटेल जांच के लिए एसआईटी ने और समय मांगा है। रिपोर्ट गृह विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी संजय प्रसाद को रिपोर्ट सौंपी गई है। टीम ने बताया कि 20 पन्नों की यह शुरूआती रिपोर्ट है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ की डिटेल है। वहीं, अब जमीन खरीद-फरोख्त की जांच होगी। एसआईटी की नजर उन नए चेहरों पर टिक गई है, जो मंदिर परिसर के कर्मचारी नहीं हैं, लेकिन ट्रस्ट से जुड़े प्रभावशाली लोगों के करीबी बताए जाते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी ने पिछले 5 साल के चढ़ावे का ऑडिट

कराने की भी सिफारिश की है। चढ़ावे में अनियमितता रोकने के लिए सुझाव दिए हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजेगी। इसके बाद गृह मंत्रालय तय करेगा कि ट्रस्ट के किन सदस्यों को रखा जाए या हटाया जाए। राम मंदिर चोरी मामले में 5 आरोपियों लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुणे और रामशंकर उर्फ टिन्नू की निशानदेही पर 2 करोड़ रुपए की रिकवरी हो चुकी है। इसके अलावा, चंपत राय के करीबी टिन्नू के घर से सोना मिला था। शुरूआती अनुमानों के मुताबिक, चोरी 200 करोड़ रुपए से ज्यादा की हो सकती है।

जमीन खरीद-फरोख्त में बिचौलियों की भूमिका पर भी नजर

जांच आगे बढ़ने के साथ ही बाहरी लोगों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। खासकर ट्रस्ट द्वारा की गई भूमि खरीद में बिचौलियों की सक्रियता जांच एजेंसियों का ध्यान खींच रही है। सूत्र बताते हैं कि पिछले तीन वर्षों में कई भूमि सौदों में मध्यस्थों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसके एवज में बड़ी रकम अर्जित की। एसआईटी ने प्रारंभिक जांच के दौरान भूमि सौदों से जुड़े कुछ दस्तावेज कब्जे में लिए हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

15 से अधिक लोगों पर कार्रवाई की आशंका

सूत्रों के मुताबिक, जांच के अगले चरण में ट्रस्ट के एक पदाधिकारी के करीबी माने जाने वाले कुछ लोगों से भी पूछताछ संभव है। उनके खातों में हुए लेनदेन को लेकर चर्चा तेज है।

हिमालया बेबीकेयर ने देश भर की 50,000 नर्सों को किया सम्मानित

फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार विजेताओं का भी बढ़ाया मान

नई दिल्ली(एजेंसी) : स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ और मरीजों के लिए जीवनदायिनी बनीं नर्सों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए देश के प्रतिष्ठित ब्रांड हिमालया बेबीकेयर ने एक व्यापक और प्रेरणादायक पहल की है। कंपनी ने पूरे भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यरत 50,000 नर्सों को उनके वर्षों के कठिन परिश्रम, करुणा और निस्वार्थ सेवा के लिए सम्मानित किया है।

इस गौरवशाली अभियान का मुख्य आकर्षण नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार 2026 समारोह रहा। हिमालया बेबीकेयर को इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था, जहाँ देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने नर्सिंग क्षेत्र की उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर हिमालया की टीम ने पुरस्कार विजेता 15 नर्सों का अभिनंदन करते हुए उनके जज्बे को सलाम किया।

हिमालया बेबीकेयर की यह राष्ट्रव्यापी पहल केवल पुरस्कार विजेताओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका दायरा बहुत विस्तृत था। देशभर के विभिन्न सरकारी व निजी अस्पतालों तथा स्वास्थ्य संस्थानों में कार्यरत उन नर्सों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिन्होंने 10 से 25 वर्षों तक मातृ, नवजात और सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल में अपना अटूट योगदान दिया है। इन नर्सों को विशेष प्रमाण-पत्र और उपहार पैकेट भेंट कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

हिमालया वेलनेस कंपनी के बेबीकेयर निदेशक चक्रवर्ती एनवी ने इस पहल के मर्म को समझाते हुए कहा कि नर्सें स्वास्थ्य व्यवस्था की आधारशिला हैं। वे जीवन के हर महत्वपूर्ण मोड़ पर मरीजों को ढांढस और भरोसा देती हैं। हिमालया परिवार माताओं और शिशुओं के प्रति नर्सों की भूमिका को गहराई से सराहता है। यह सम्मान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उनकी सेवा भावना के प्रति हमारा आभार है। हिमालया बेबीकेयर की यह अनूठी पहल स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करने वाले गुमनाम नायकों का हौसला बढ़ाने वाली साबित हुई है और कंपनी ने भविष्य में भी नर्सिंग समुदाय के निरंतर समर्थन का संकल्प दोहराया है।

संक्षिप्त खबरें

युवा उद्यमी वैल्यूएशन के साथ-साथ वास्तविक मूल्य सृजन पर दें ध्यान : अनिल अग्रवाल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने युवा उद्यमियों को व्यवसाय निर्माण के मूल उद्देश्य को याद रखने की सलाह देते हुए कहा है कि किसी भी स्टार्टअप की वास्तविक सफलता केवल उसकी वैल्यूएशन से नहीं, बल्कि उसके द्वारा समाज, ग्राहकों और हितधारकों के लिए सृजित किए गए वास्तविक मूल्य से तय होती है। अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक संदेश में अनिल अग्रवाल ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी स्टार्टअप इकोसिस्टम में वैल्यूएशन महत्वपूर्ण है और यह किसी उद्यम के लिए ऑक्सीजन की तरह है, लेकिन उद्यमियों को यह नहीं भूलना चाहिए कि उन्होंने अपनी यात्रा केवल निवेश जुटाने या अगली फंडिंग राउंड तक पहुंचने के लिए शुरू नहीं की थी।उन्होंने कहा कि अधिकांश उद्यमी किसी समस्या का समाधान खोजने, बाजार में मौजूद किसी कमी को दूर करने और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अपनी उद्यमशीलता की शुरूआत करते हैं. हालांकि, समय के साथ व्यवसाय बढ़ने पर अक्सर ध्यान केवल वैल्यूएशन, विकास की गति और अगले माइलस्टोन तक सीमित होकर रह जाता है।अनिल अग्रवाल ने कहा कि दीर्घकालिक सफलता उन संस्थानों को मिलती है जो भरोसेमंद उत्पाद विकसित करते हैं, मजबूत टीमों का निर्माण करते हैं और ऐसे समाधान प्रदान करते हैं जो लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। उन्होंने कहा कि बड़े परिवर्तन और स्थायी उपलब्धियां केवल आंकड़ों के पीछे भागने से नहीं, बल्कि मजबूत और सार्थक व्यवसाय खड़ा करने से हासिल होती हैं।युवा उद्यमियों से अपील करते हुए उन्होंने आगे कहा कि वे सोच-समझकर निर्णय लें, जिम्मेदारी के साथ पूंजी जुटाएं और अपने मूल उद्देश्य को कभी न भूलें. उनके मुताबिक वैल्यूएशन महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे व्यवसाय के वास्तविक लक्ष्य और उद्देश्य पर हावी नहीं होने देना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : पर्यटन, कला-संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, राँची झारखण्ड तथा जिला प्रशासन, बोकारो द्वारा मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर तीरंदाजी प्रतियोगिता- 2026 का आयोजन चंदनकियारी, बोकारो में किया गया जिसमे कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता के कंपाउंड बालक वर्ग में प्रथम स्थान रूद्राक्ष पाण्डेय, द्वितीय स्थान विजय महतो एवं तृतीय स्थान नीरज रजवार वहीं कंपाउंड बालिका वर्ग में प्रथम स्थान आरती कुमारी, द्वितीय स्थान अपूर्वा बांडों एवं तृतीय स्थान प्रियंका मधु ने हासिल की। रिकर्व बालक वर्ग में प्रथम स्थान राहुल सूत्रधार, द्वितीय स्थान शिवम भगत एवं तृतीय स्थान अनमोल उरांव, वहीं इंडियन राउंड बालक वर्ग में प्रथम स्थान आकाश सूत्रधार, द्वितीय स्थान विष्णु बावरी एवं तृतीय स्थान अमित बावरी ने हासिल की।इस अवसर पर जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन, जिला खेल समन्वय, तीरंदाजी प्रशिक्षक मोहन साहू, हेमंत कुमार, महेंद्र करमाली सहित कई खिलाड़ी उपस्थित रहे।

सिंफर में में सौर पीवी प्रणाली डिजाइन पर तीन दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद:सीएसआईआर केन्द्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान (सिंफर) में सॉफ्टवेयर के माध्यम से सौर पीवी प्रणाली डिजाइन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण विषयक तीन दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम शुरू हुआ। यह कार्यक्रम सीएसआईआर-इंटीग्रेटेड स्किल इनिशिएटिव फेज-ककक (2026-27) के अंतर्गत 23 से 25 जून तक आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मानव संसाधन विकास, कौशल विकास एवं जिज्ञासा अनुभाग द्वारा वायर रोप एवं विद्युत अभियंत्रण अनुभाग के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियंत्रण, विद्युत अभियंत्रण, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियंत्रण, मैकेनिकल अभियंत्रण तथा सूचना प्रौद्योगिकी पृष्ठभूमि के कुल 24 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्रो. अरविन्द कुमार मिश्रा, निदेशक, सिंफर ने नवीकरणीय ऊर्जा, विशेषकर सौर ऊर्जा के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पदार्थ विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों के कारण सौर सेल की दक्षता निरंतर बढ़ रही है। उन्होंने प्रतिभागियों को मूलभूत ज्ञान को मजबूत करने, व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने तथा अनुसंधान, नवाचार एवं उद्यमिता की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इंजी. अमर नाथ, समन्वयक, सीएसआईआरइंटीग्रेटेड स्किल इनिशिएटिव फेज- ककक तथा प्रमुख अनुसंधान समूह, टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट ने युवा अभियंत्रण विद्यार्थियों एवं व्यावसायिक प्रशिक्षुओं के लिए ऐसे कौशल विकास कार्यक्रमों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों की बढ़ती रुचि को देखते हुए मैकेनिकल इंजीनियरिंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी विषयों को भी इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियंत्रण, विद्युत अभियंत्रण, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियंत्रण के आलावा कार्यक्रम में शामिल किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. जे. के. सिंह, नोडल अधिकारी, कौशल विकास कार्यक्रम, सीएसआईआर-इंटीग्रेटेड स्किल इनिशिएटिव फेज-ककक के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने कहा कि सभी नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में सौर ऊर्जा भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने तथा दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। भारत की प्रचुर सौर ऊर्जा क्षमता देश को सतत विकास एवं नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम समन्वयक एस. बाघमारे तथा वायर रोप एवं विद्युत अभियंत्रण अनुभाग के डॉ. सुजीत डे एवं बी. साधुखान भी उपस्थित थे।

औचक निरीक्षण में एक्शन मोड में दिखे नगर आयुक्त, सफाई व्यवस्था पर जताई सख्ती

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीहः गिरिडीह नगर निगम के नवनियुक्त नगर आयुक्त बिजय सिंह बिरुआ मंगलवार को बिना किसी पूर्व सूचना के नगर निगम कार्यालय पहुंच गए और सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। उनके अचानक पहुंचने से निगम कर्मियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने कार्यालय परिसर के चबूतरे पर बैठकर साफ-सफाई व्यवस्था और कर्मियों की कार्यशैली का जायजा लिया नगर आयुक्त ने सबसे पहले सफाई कर्मियों की उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया तथा सफाई कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। गौरतलब है कि बिजय सिंह बिरुआ ने 19 जून 2026 को गिरिडीह नगर निगम के नगर आयुक्त के रूप में पदभार ग्रहण किया है। इससे पूर्व वे लगभग दो वर्षों तक गिरिडीह में अपर समाहर्ता के पद पर कार्यरत रहे हैं, जिसके कारण वे जिले की प्रशासनिक एवं स्थानीय परिस्थितियों से भलीभांति परिचित हैं।निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारना तथा शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।उन्होंने स्पष्ट किया कि सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।करीब दो घंटे तक नगर निगम परिसर में मौजूद रहे। नगर आयुक्त ने आम नागरिकों और सफाई कर्मियों के बीच जमीन पर बैठकर उनकी समस्याएं भी सुनीं। उनकी सादगीपूर्ण कार्यशैली और सक्रियता की चर्चा नगर निगम परिसर के साथ-साथ पूरे शहर में होती रही। नगर आयुक्त के इस औचक निरीक्षण को निगम की कार्यप्रणाली में सुधार और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

मकतपुर उच्च विद्यालय में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह :युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने और स्वस्थ समाज के निर्माण के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत मंगलवार को मकतपुर उच्च विद्यालय, गिरिडीह में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व नजारत उप समाहर्ता आशुतोष ठाकुर ने किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक नुकसान की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। अपने संबोधन में नजारत उप समाहर्ता आशुतोष ठाकुर ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और उनका स्वस्थ एवं जागरूक होना समाज और राष्ट्र के विकास के लिए आवश्यक है।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। साथ ही नशे के खिलाफ जन-जागरूकता फैलाने और सकारात्मक जीवन मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया।विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं कार्यक्रम में उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने बताया कि जिलेभर में नशा मुक्ति अभियान लगातार चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर एक स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त समाज का निर्माण करना है।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए त्रुटिरहित मतदाता सूची का होना आवश्यक : उपायुक्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दूसरे दिन की प्रथम पाली में 36-बोकारो विधानसभा क्षेत्र एवं 37-चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के चास प्रखंड अंतर्गत कार्यरत सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपायुक्त अजय नाथ झा, एसडीओ चास प्रांजल ढांढा, भूमि सुधार उप समाहर्ता चास शामिल हुए।उपायुक्त श्री झा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों तथा बूथ स्तर के पदाधिकारियों को पुनरीक्षण कार्य पूरी गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने नए मतदाताओं का नाम जोड़ने, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने तथा मतदाता सूची में दर्ज त्रुटियों के सुधार पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि पात्र नागरिकों का नाम किसी भी स्थिति में मतदाता सूची से वंचित नहीं रहना चाहिए तथा अपात्र नामों को नियमानुसार हटाने की प्रक्रिया अपनाई जाए।प्रशिक्षक प्रखंड विकास पदाधिकारी चास प्रदीप कुमार, अंचल अधिकारी चास सेवाराम द्वारा निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के अनुरूप एसआईआर प्रक्रिया के प्रत्येक चरण की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई, जिसमें मतदाता सत्यापन, प्रपत्रों का सही ढंग से भरना, घर-घर सर्वेक्षण की प्रक्रिया, पात्र मतदाताओं का पंजीकरण, अपात्र प्रविष्टियों की पहचान, अभिलेखों का संधारण तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्यों के निष्पादन पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही बीएलओ एवं सुपरवाइजरों की जिज्ञासाओं और व्यावहारिक समस्याओं का समाधान उपायुक्त अजय नाथ झा करते हुए उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से सफल बनाया जा सके। प्रशिक्षण में सभी प्रतिभागियों को आयोग के निदेशों का अक्षरशः पालन करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यार्थी लोकहित, समाजहित व राष्ट्रहित में करें अपने ज्ञान का उपयोग : उपायुक्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : आपका ज्ञान और आपकी शिक्षा तभी सार्थक है जब यह लोकहित में काम आए। विद्यार्थी स्वयं पर भरोसा रखते हुए अपनी पढ़ाई पर फोकस करें और अपने ज्ञान का सदुपयोग लोकहित, समाजहित और राष्ट्रहित में करें। 10वीं कक्षा के बाद यही वह समय है, जहां से उन्हें लंबी छलांग लेनी है। ऐसे में अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते हुए केवल अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें। ये बातें जिले के उपायुक्त अजय नाथ झा (भाप्रसे) ने मंगलवार को दिल्ली पब्लिक (डीपीएस) बोकारो में 11वीं कक्षा के नव-नामांकित विद्यार्थियों के उन्मुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने उपस्थित छात्र- छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जब आप अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखते हुए अपने लक्ष्य व प्रदर्शन पर फोकस करेंगे तो पढ़ाई में तनाव नहीं आएगा। कक्षा 10वीं तक की पढ़ाई आपके लिए ताउम्र काम आएगी। उन्होंने एनसीईआरटी पुस्तकों की भूमिका भी इस दिशा में महत्वपूर्ण बताई। आज की नौजवान पीढ़ी को नशापान से बचने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि यह ऐसा कदम है, जो आपके पूरे जीवन को बर्बाद कर सकता है और तमाम सपने चूर-चूर हो सकते हैं। कभी-कभी उत्साह दुस्साहस में बदल जाता है। ऐसे में अपना निर्णय एवं उद्देश्य मजबूत रखें। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा - हमारा समय कंप्यूटर से एआई तक आया और आपका जमाना एआई से शुरू हो रहा है। समय के साथ चलें। आगे काफी बदलाव होंगे। मूल्यों को बनाए रखते हुए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और परिश्रम से पढ़ाई पर ध्यान दें। मोबाइल के संतुलित इस्तेमाल पर भी उन्होंने बल दिया। बेटियों को प्रोत्साहित करते हुए उपायुक्त श्री झा ने कहा कि महिलाएं सदैव इतिहास बदलने का हिस्सा रही हैं। कई कुरीतियां टूटी हैं, इसलिए बेटियां अपने-आप को भी बिखरने न दें। आप इतिहास बदलने के लक्ष्य से आगे बढ़ें। उन्होंने डीपीएस बोकारो के छात्र आदित्य मिश्रा के 12वीं बोर्ड में नेशनल टॉपर बनने पर बधाई दी तथा विद्यालय के शैक्षणिक प्रदर्शन की भूरि-भूरि सराहना की।कार्यक्रम में उपस्थित जिले के पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने पढ़ाई के मामले में डीपीएस बोकारो के गौरवपूर्ण प्रदर्शन की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य स्वयं तय करने तथा इसके लिए निरंतरता बरकरार रखने की प्रेरणा दी। कहा कि सफलता आपके पास खुद चलकर नहीं आएगी, बल्कि मेहनत के रास्ते आपको सफलता तक पहुंचना है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हर बच्चा खास है, सभी में अपनी विशिष्ट प्रतिभा है। कोई अपने-आप को नजरअंदाज न करें। एसपी श्री मीणा ने इस दौरान विद्यार्थियों को पोक्सो एक्ट, साइबर सुरक्षा, मोबाइल के सतर्कतापूर्ण एवं संतुलित उपयोग तथा ट्रैफिक नियमों के अनुपालन से संबंधित बातें भी बताईं।इस अवसर पर साइकोग्राफिक सोसाइटी, रांची के संस्थापक एवं निदेशक तथा जाने- माने काउंसलर विकास कुमार ने विद्यार्थियों को करियर के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने आईआईटी, जेईई, नीट के साथसाथ मेडिकल, इंजीनियरिंग एवं वित्त के क्षेत्र से संबंधित विभिन्न परीक्षाओं, उनके कट-ऑफ, अहताओं एवं अन्य आवश्यक पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। कहा कि आगामी परीक्षाओं में अच्छे प्रदर्शन के लिए अभी से ही पूरी निष्ठा के साथ लग जाएं। डीपीएस बोकारो की शैक्षणिक गरिमा अपने-आप में ऐतिहासिक रही है और आदित्य मिश्रा की सफलता के साथ एक बार पुनः इतिहास रच गया है। उन्होंने विद्यार्थियों को डीपीएस बोकारो को कल्पवृक्ष के समान बताते हुए इसकी छत्रछाया में अपना करियर संवारने का संदेश दिया।इसके पूर्व, विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एएस. गंगवार ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों का स्वागत करते हुए छात्र-छात्राओं के समग्र विकास की दिशा में डीपीएस बोकारो के प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यालय की उपलब्धियां रेखांकित करते हुए इसकी गरिमा बनाए रखने हेतु बच्चों से पूरी ईमानदारी, मेहनत, निष्ठा, अनुशासन व नैतिक मूल्यों के साथ पढ़ाई करने की अपील की।समारोह के दौरान सीबीएसई 12वीं बोर्ड परीक्षा में साइंस स्ट्रीम के नेशनल टॉपर आदित्य मिश्रा को सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. गंगवार ने उन्हें स्मृति चिह्न भेंटकर विद्यालय की ओर से विद्यार्थियों व अभिभावकों के समक्ष सम्मानित किया। अपने उद्गार में आदित्य ने विद्यालय के प्रति कृतज्ञता करते हुए अपने जूनियर साथियों को स्कूलिंग के महत्व, अनुशासन और नियमितता के साथ पढ़ाई करने का संदेश दिया। आदित्य ने काउंसलर विकास कुमार के साथ प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का संचालन छात्रा अनुष्का शर्मा एवं वाइस हेड गर्ल स्वर्णिम ने किया। जबकि, धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के वाइस हेड बॉय ध्रुव लोधा ने किया।

मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती की आधारशिला : उपायुक्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीहः विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर 2026 के तहत जिले में त्रुटिरहित, अद्यतन एवं पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करने की दिशा में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर जिले के सभी अंचलों में बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजरों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाता सूची को पूर्णतः शुद्ध, विश्वसनीय एवं अद्यतन बनाना है, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके और निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनी रहे। प्रशिक्षण के दौरान निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप घर-घर सत्यापन अभियान, नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं का सत्यापन करने तथा एएसडीडी श्रेणी के मतदाताओं की पहचान एवं सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।इसके अलावा बीएलओ और सुपरवाइजरों को क्षेत्रीय स्तर पर कार्य निष्पादन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, तकनीकी पहलुओं और निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के संबंध में भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है और इसकी शुद्धता सुनिश्चित करना निर्वाचन तंत्र की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि पुनरीक्षण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही, शिथिलता या त्रुटि स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर निष्पक्षता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें ताकि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल हो सके तथा अपात्र नामों को नियमानुसार हटाया जा सके। उन्होंने कहा कि शुद्ध एवं विश्वसनीय मतदाता सूची ही निष्पक्ष और लोकतांत्रिक चुनावों की गारंटी है। जिला प्रशासन इस दिशा में पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है, जिससे जिले में निर्वाचन प्रक्रिया और अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बन सके।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

भाजपा की ओर से मनाया गया डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर के बरटांड़ मंडल की ओर से में सोमवार को डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम सिटी सेंटर चौक पर हुआ। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी पुण्यतिथि को बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया। भाजपा कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके राष्ट्रहित, राष्ट्रीय एकता एवं अखंड भारत के लिए किए गए संघर्षों को स्मरण किया। धनबाद सांसद ढुलू महतो भी शामिल हो माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने नम आंखों से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का पूरा जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के लिए समर्पित रहा। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे और उन्होंने देश की एकता एवं अखंडता के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया। ॒एक देश में दो निशान, दो प्रधान और दो विधान नहीं चलेंगे॓ के संकल्प के साथ उन्होंने जम्मू-कश्मीर की पूर्ण एकता के लिए आंदोलन किया और अपना बलिदान दिया। उनका त्याग और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का धनबाद से भी विशेष जुड़ाव रहा है। जब सिंदरी उर्वरक कारखाने की स्थापना हुई थी, उस समय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी देश के उद्योग मंत्री थे। देश के औद्योगिक विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय है। इस अवसर पर भाजपा धनबाद महानगर अध्यक्ष श्रवण राय एवं विधायक राज सिन्हा जी ने ॒एक पेड़ मां के नाम॓ अभियान के तहत प्रतिमा स्थल पर दो अशोक के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा कार्यकताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों एवं सिद्धांतों पर चलने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री मानस प्रसून, रूपेश सिन्हा, पार्षद अशोक पाल, हुल्लास दास, मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा, मौसम सिंह, राजाराम दत्ता, सुप्रभात कुमार, पुरुषोत्तम रंजन, निर्मल प्रधान, अमरजीत कुमार, मनोज रिंकू, राणा सिंह, अमित सिंह, शंभू सिंह, उत्तम मंडल, बबलू फरीदी, बृजनंदन शर्मा, डी के सिंह, अजीत कुमार, टुन्ना सिंह, अजय मालाकार, दीपक सिंह सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी, मंडल के पदाधिकारी एवं बड

संक्षिप्त खबरें

एसआईआर के लिए बीएलओ तथा पर्यवेक्षक को दी गई ट्रेनिंग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए जिला के सभी विधानसभा क्षेत्रों में निर्वाचक एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों,बूथ लेवल ऑफिसर एवं सुपरवाइजरों का दो दिवसीय प्रशिक्षण आज संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया, समय-सीमा, प्रपत्रों के संधारण, घर-घर सत्यापन तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा निदेशों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत 30 जून से 29 जुलाई के दौरान प्रत्येक मतदाता का सत्यापन गणना प्रपत्र के माध्यम से किया जाएगा। सभी बीएलओ ०अपने-अपने मतदान क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क स्थापित करेंगे तथा पूर्व मुद्रित गणना प्रपत्रों का वितरण करेंगे। मतदाता द्वारा भरा हुआ को इसी अवधि में वापस संग्रहण किया जाएगा। गणना प्रपत्र एक बार ही दिया जाएगा कृपया इसमें त्रुटि न करे न ही इसे खराब करें। सभी को निर्देश दिया गया कि प्राप्त गणना प्रपत्रों का समुचित संधारण करें तथा प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराएं। सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के सफल क्रियान्वयन हेतु आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं। जिला प्रशासन ने मतदाताओं से भी अपील की है कि वे बीएलओ को आवश्यक सहयोग प्रदान करें ताकि पुनरीक्षण कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

बस्ताकोला क्षेत्रीय कार्यालय में अनुकंपा नियुक्ति के तहत कुल 15 आश्रितों को दी गई नियुक्ति पत्र

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बस्ताकोला क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय में मंगलवार को अनुकंपा नियुक्ति के तहत कुल 15 आश्रितों को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक के द्वारा चयनित आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए उन्हें कंपनी परिवार का हिस्सा बनने पर शुभकामनाएं दी।महाप्रबंधक ने कहा कि अनुकंपा नियुक्ति योजना का उद्देश्य दिवंगत कर्मियों के आश्रितों को आर्थिक एवं सामाजिक संबल प्रदान करना है, जिससे उनके परिवारों को कठिन परिस्थितियों में सहायता मिल सके। उन्होंने सभी नव-नियुक्त कर्मियों से ईमानदारी, निष्ठा एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले आश्रितों एवं उनके परिजनों ने कंपनी प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले सभी 15 आश्रितों के चेहरे पर नई आशा एवं उत्साह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया तथा उन्होंने कंपनी की प्रगति में योगदान देने का संकल्प लिया।

दिशोम गुरु को मरणोपरांत पद्म भूषण मिलने पर भौंरा के झामुमो समर्थकों ने बांटा मिठाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के मरणोपरांत मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में पद्म भूषण का सम्मान मिलने पर भौंरा में आशेष सिन्हा के नेतृत्व मेंड झामुमो समर्थकों ने पूर्वी झरिया क्षेत्रीय कार्यालय ,जोड़ापोखर, डुमरी,गौरखुटी सहित विभिन्न जगहों पर मिठाइयां बांटी। इस दौरान झामुमो के वरीय नेता आशेष सिन्हा ने कहा कि दिनों शिबू सोरेन जीवन भर आदिवासियों, पिछड़ों के हक व अधिकार के लिए संघर्ष किया। शोषण, महाजनी, नशाखोरी,सूदखोरी प्रथा के खिलाफ लंबे समय तक गांवों में मुहिम चलाया। संघर्ष के बल पर ही वे झारखंड में दो बार मुख्यमंत्री, तीन बार सांसद,रेल मंत्री बने। वे आदिवासियों को शराब से दूर रहकर,मुर्गी,बकरी,बत्तख पालन कर आत्मनिर्भर बनने के लिये समाज को प्रेरित किया। उनके बलिदान के कारण ही सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया। मौके पर जिला उपाध्यक्ष काली चरण महतो,वरीय नेता व समाजसेवी मदन राम,विशु महतो,जगबंधु महतो,फूलचंद महतो,रोहित मिर्धा,नकुल महतो,जितेन रवानी आदि मौजूद थे।

धनबाद मंडल में चलाया गया मेगा टिकट चेकिंग अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। धनबाद मंडल में मंगलवार को मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया. यह टिकट चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिन-रात चलाया गया. इस जांच अभियान में 663 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे. इस दौरान उनसे 6,32,595 रुपए जुमार्ने के रूप में वसूले गए। र पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई. चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया. धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा` टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई।

झरिया में अधिकारियों, कर्मियों व आमजनों ने नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु ली सामूहिक शपथ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

झरियाः मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने को लेकर मंगलवार को धनबाद नगर निगम, झरिया अंचल द्वारा चिल्ड्रन पार्क, झरिया में एक शपथ ग्रहण कार्यक्रम एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, कर्मियों एवं आमजन ने नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु सामूहिक शपथ ली गई ।मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। इसके उपरांत आयोजित जागरूकता रैली के माध्यम से आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया तथा उन्हें नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही यह संदेश दिया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार, समाज एवं राष्ट्र के विकास में भी बाधक बनता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है,कि वह स्वयं नशे से दूर रहे तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशामुक्ति अभियान से जोड़ने की बात कही।मौके पर नगर प्रबंधक विश्वनाथ भगत, फूड इंस्पेक्टर करण कुमार, पूनम ज्योति, गार्डन अधीक्षक मनीषा कुमारी पर्यवेक्षक अमित, रणजीत, सागर, मनोज, सुनील एवं निगम के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

खानूडीह बीजी-27 रेलवे फाटक पर ओवरब्रिज निर्माण के लिए जनता का हल्लाबोल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बाघमारा-गोमो-खड़गपुर रेल मार्ग के खानूडीह रेलवे स्टेशन के बीजी -27 फाटक पर ओवरब्रिज निर्माण की मांग को लेकर बाघमारा की जनता का आक्रोश फूट पड़ा है। दो दशकों से उपेक्षा का दंश झेल रहे स्थानीय नागरिकों ने अब अपने इस बुनियादी हक के लिए निर्णायक लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है। इसी कड़ी में बड़ी संख्या में लोगों ने सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया और प्रखंड कार्यालय के समक्ष धरना दिया। धरना प्रदर्शन के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि यह ओवरब्रिज केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि बाघमारा के अस्तित्व की लड़ाई है। 20 वर्षों से क्षेत्र की जनता को हर बार सिर्फ खोखले आश्वासन देकर ठगा गया है। खानूडीह बीजी 27 रेलवे फाटक पर अत्यधिक रेल यातायात होने के कारण दिनभर में दर्जनों बार भीषण जाम की स्थिति बनती है। इस जाम में एम्बुलेंस, स्कूली वाहन और रोजमर्रा के राहगीर घंटों फंसे रहते हैं। कई बार आपातकालीन स्थिति में मरीजों की जान पर बन आती है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की पहल भी बेअसर दिख रही है। वक्ताओं ने कहा कि इस गंभीर समस्या को लेकर नागरिकों की मांग रेल मंत्रालय के गलियारों तक पहुंच चुकी है। स्थानीय सांसद और विधायक भी कई बार केंद्रीय रेल मंत्री को मांग पत्र और ज्ञापन सौंप चुके हैं। लेकिन तमाम दावों और आश्वासनों के बावजूद धरातल पर अब तक निर्माण कार्य शुरू होना तो दूर, कोई ठोस प्रशासनिक पहल भी नजर नहीं आई है। आक्रोशित जनता ने रेल प्रबंधन और प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही ओवरब्रिज निर्माण को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो क्षेत्र के लोग चक्का जाम और अनिश्चितकालीन आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। आंदोलन उग्र होने की स्थिति में इसकी पूरी जिम्मेदारी रेल प्रबंधन की होगी। इस आंदोलन और धरने का नेतृत्व व समर्थन करने के लिए क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और राजनीतिक-सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे, मौके पर लगनदेव यादव (बीस सूत्री अध्यक्ष) अखिलेश सिंह, सज्जन खंडेलवाल, ज्ञानेश प्रसाद, संजय केसरी, विनोद साव, दीपक प्रसाद, दीपक कुमार साव, संजय चंद्रवंशी, अशोक मिश्रा, सीताराम चौधरी, योगेन्द्र सिंह, धनेश्वर ठाकुर, विजय शर्मा, आदर्श गुप्ता, गौतम कुमार साव, मुकेश वर्णवाल, रितेश अग्रवाल, पवन चौधरी, मिराज खान, मो. इसार आदि मौजूद थे।

डीसी ने सुनी फरियाद, मौके पर ही कई समस्या का किया समाधान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। डीसी ने मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया। समाहरणालय में आयोजित जनता दरबार में जिले भर से फरियादी आए। अपनी समस्याओं की जानकारी डीसी को दी और समाधान की गुहार लगाई। डीसी ने कई मामलों का मौके पर ही निबटारा कर दिया। शेष मामलों को कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया। जनता दरबार में डीसी ने संवेदनशीलता के साथ एक-एक कर सभी फरियादियों की शिकायतों और समस्याओं को सुना। प्राप्त आवेदनों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, राशन कार्ड में नाम जोड़ने/संशोधन, वृद्धावस्था एवं दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना,अबूआ आवास,हॉस्टल में नामांकन नहीं होने, दाखिल-खारिज को रद्द करने, गैर-आबाद तालाब की जमाबंदी रद्द करने, मुआवजा, वित्तीय और बैंक संबंधी मामले, सड़क व नाली निर्माण, धोखाधड़ी और प्रताड़ना के मामले, राजस्व, पेयजल, आपूर्ति, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग से संबंधित शिकायतें शामिल थीं। मामलों की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को फोन पर एवं मौके पर ही त्वरित कार्रवाई करने के सख्त निर्देश दिए। जनता दरबार में उपस्थित कई मामलों का ऑन द स्पॉट समाधान किया गया, जिससे कई नागरिकों को तुरंत राहत मिली। डीसी ने कहा कि जिला प्रशासन आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक बिना किसी बाधा के पहुंचे।

सड़क दुघर्टना में दो युवक गंभीर रूप से घायल, हंगामा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। पतलाबाड़ी रोड पर दुधिया पेट्रोल पंप के पास मंगलवार की शाम दो बाइकों के बीच हुई टक्कर में दोनों बाइक सवार दुर्घटनाग्रस्त होकर बुरी तरह घायल हो गए। अगल- बगल के लोगों ने दोनों को उठाकर बलियापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने दोनों घायलों को धनबाद रेफर कर दिया। दुर्घटना में घायल दोनों युवकों को रेफर किए जाने के दौरान स्वास्थ्य केंद्र में कोई वाहन मौके पर उपलब्ध नहीं होने से घायलों के साथ आए लोगों ने स्वास्थ्य केंद्र परिसर में काफी हो हंगामा किया। इस दौरान मरीज की ओर से लोगों ने प्राइवेट वाहन बुलाकर दोनों को धनबाद भेजा गया। मौके पर स्वास्थ्य केंद्र में कोई वाहन उपलब्ध नहीं होने से लोगों में काफी रोष देखा गया। दोनों घायल बाइक सवारों में दुधिया निवासी 20 वर्षीय अमित सहिस एवं सालुकचौपड़ा गांव का सुमित योगी है। दोनों की हालत गंभीर बताई जाती है।

सीएम 3 जुलाई को करेंगे दुमका-गोविंदपुर ट्रांसमिशन लाइन का लोकार्पण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

महुदा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 3 जुलाई को दुमका-गोविंदपुर संचरण (ट्रांसमिशन) लाइन का लोकार्पण करेंगे। डीसी आदित्य रंजन ने बताया कि सीएम झारखंड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड के पूरे कर लिए गए ग्रिड सबस्टेशन एवं संचरण लाइनों का लोकार्पण 3 जुलाई को रांची के प्रोजेक्ट भवन से ऑनलाइन माध्यम से करेंगे। इस क्रम में सीएम द्वारा 220 केवी दुमका-गोविंदपुर संचरण लाइन का लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 220 केवी दुमका-गोविंदपुर संचरण लाइन के लोकार्पण से दुमका, गोड्डा, पाकुड़, देवघर, धनबाद एवं इसके आसपास के क्षेत्र गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति से लाभान्वित होंगे। डीसी ने बताया कि सीएम उसी दिन 132 / 33 केवी ग्रिड सबस्टेशन अमड़ापाड़ा (जियापानी) जिला पाकुड़, 132 / 33 केवी ग्रिड सबस्टेशन, सुरदा, जिला पूर्वी सिंहभूम एवं 132 / 33 केवी ग्रिड सबस्टेशन, नारायणपुर, जिला जामताड़ा का भी लोकार्पण करेंगे।

या अली-या हुसैन के नारों से गूंजा महुदा मुहर्रम की सातवीं पर निकले पैक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

महुदा। बाघमारा के महुदा एवं आसपास के क्षेत्रों में मुहर्रम की सातवीं पर अकीदत और श्रद्धा का अनूठा नजारा देखने को मिला। कर्बला और विभिन्न इमामबाड़ों में फातिहा खानी के बाद निसान खड़े किए गए। डंकों की गूंज और या अली-या हुसैन॰ के नारों से पूरा इलाका देर रात तक गूंजता रहा। सोमवार की रात महुदा एवं आसपास के क्षेत्रों के इमामबाड़ों में माटी रखने की रस्म के साथ चार दिवसीय मुहर्रम की शुरूआत हुई। फातिहा खानी के उपरांत श्रद्धालुओं ने ॰या अली, या हुसैन॰ के नारे लगाए, जिससे माहौल पूरी तरह गमगीन और धार्मिक रंग में रंग गया। विभिन्न इमामबाड़ों से पैक बांधकर श्रद्धालु कर्बला पहुंचे। मौके पर मुखिया बदरुद्दीन अंसारी, मोहम्मद अमान, मोहम्मद रौशन, शाह हुसैन अंसारी, मुस्लिम खान, मुस्तकीम अंसारी, अनवर अंसारी, इरफान अंसारी, मुन्ना, सरताज, बिट्टू, आरिफ, साद बाबू, सग्गीर अंसारी, इम्तियाज अंसारी, फिरोज अंसारी, राजू, अमीन अंसारी, गोल्डन सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर प्रतियोगिताओं का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद और युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार अंतर्गत खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय, झारखंड के निदेर्शानुसार जिला खेल विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर मंगलवार को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। स अवसर पर मैराथन, साइकिलिंग, हॉकी और तीरंदाजी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उपायुक्त मो जावेद हुसैन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया और उप विकास आयुक्त पव्र ीण कु मार पक्र ाश मखु य रूप स` उपस्थित थ। सभी अतिथियों पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। जिला खेल पदाधिकारी राजेश कुमार चौधरी ने स्वागत भाषण के माध्यम से प्रतियोगिता के उद्देश्य थौर विभिन्न खेल गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। मौके पर उपायुक्त मो जावेद हुसैन ने कहा कि खूंटी जिले के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। वर्तमान समय में खिलाड़ियों की मेहनत और सुनियोजित तैयारी के साथ-साथ तकनीक का बेहतर उपयोग भी आवश्यक है, जिससे उनके प्रदर्शन को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि जिले में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में जिले के अधिकाधिक खिलाड़ियों का चयन ओलंपिक में होगा और वे अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश के लिए स्वर्ण पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि भविष्य में खूंटी जिला स्पोर्ट्स हब के साथ-साथ ओलंपिक हब के रूप में भी अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 खिलाड़ियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

बीएलओ और पर्यवेक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2026 के तहत मंगलवार को प्रखंड सभागार में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और पर्यवेक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन एवं समावेशी बनाना था। कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी दीपेश कुमारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) स्मिता नगेशिया ने पुनरीक्षण कार्य की विस्तृत जानकारी दी। मौके पर अधिकारियों ने बताया कि घर-घर सर्वेक्षण कर नए मतदाताओं का नाम जोड़ना, मृत और स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाना एवं मतदाता विवरण में आवश्यक सुधार करना अभियान की प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। एसडीओ दीपेश कुमारी ने कहा कि बीएलओ लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने फॉर्म-6,7 एवं 8 भरने की प्रक्रिया के साथ गरुड़ ऐप और बीएलओ ऐप के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। वहीं एईआरओ स्मीता नगेशिया ने सभी प्रविष्टियों को समय पर और सही तरीके से ऑनलाइन अपलोड करने का निर्देश दिया। प्रशिक्षण में 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं के नामांकन, महिला मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने और दिव्यांग मतदाताओं की मैपिंग पर विशेष जोर दिया गया। बताया गया कि 30 जून से 29 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का गणना प्रपत्र दो प्रतियो में देंगे। कार्यक्रम में सभी बीएलओ, पर्यवेक्षक एवं निर्वाचन शाखा के कर्मी उपस्थित थे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान राष्ट्र की एकता और अखंडता का प्रतीक : कमलेश कुमार सिंह

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू, भारतीय जनता पार्टी के जपला स्थित कार्यालय में मंगलवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि एवं स्मरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व पूर्व मंत्री कमलेश कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके राष्ट्रवादी विचारों, राजनीतिक योगदान और राष्ट्र की एकता के लिए किए गए संघर्ष को याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमलेश कुमार सिंह ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने भारत की एकता और अखडं ता की रक्षा के लिए अपना सवोर्च्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का उनका उद्घोष आज भी देशवासियों को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का बलिदान भारत की अखंडता और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है तथा उनका जीवन प्रत्येक राष्ट्रभक्त के लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। उन्होंने युवाओं से उनके आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता रामप्रवेश सिंह ने इस मौके पर कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए जो संघर्ष किया, वह भारतीय इतिहास में सदैव स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा।

युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प

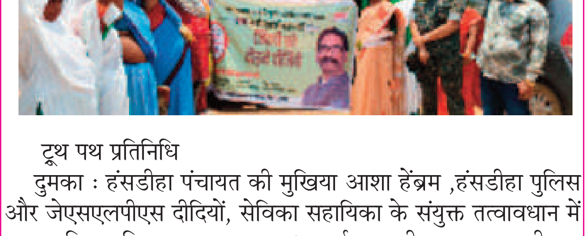

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : हंसडीहा पंचायत की मुखिया आशा हेंब्रम ,हंसडीहा पुलिस और जेएसएलपीएस दीदियों, सेविका सहायिका के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की शुरूवात सभी का अभिवादन करते हुए आशा हेंब्रम ने कहा कि नशे की लत व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक जीवन पर प्रभाव डालती है, साथ ही उन्होंने बताया कि नशे के कारण अक्सर घरेलू हिंसा, सामाजिक अपमान, आर्थिक संकट, अपराध तथा विभिन्न कानूनी समस्याएं उत्पन्न होती है, जिससे व्यक्ति और उसका परिवार लंबे समय तक परेशान रहता है। उपस्थित ग्रामीणों को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प दिलाया गया। जागरूकता अभियान के दौरान हाट परिसर और सड़क किनारे बिक रहे अवैध शराब को जेएसएलपीएस ने मुखिया आशा हेंब्रम के नेतृत्व में सभी अवैध शराब को नष्ट कर रैली को आगे लके र निकलती रही। मुखिया आशा हेंब्रम ने कहा कि इसे रैली न समझे इसका उद्देश्य समाज से नशे जैसी कुरीति को समाप्त कर एक स्वस्थ, सुरक्षित, शिक्षित और समृद्ध समाज का निर्माण करना हैं। वहीं सर्कल इंस्पेक्टर प्रियंका आनंद ने कहा कि नशा मुक्त समाज के लिए महिलाओं को आगे आना होगा। साथ रहे पंचायत सचिवालय के कमी जेएसएलपीएस की दीदी समेत सेविका सहायिका समेत समाज के बुद्धिजीवी महिलाएं मौजूद रहीं।

भाजपा जिला कार्यालय में जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को दी गई श्रद्धांजलि

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

जामताड़ा : मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय में राष्ट्र की एकता,अखंडता और स्वाभिमान के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले, भारतीय जनसंघ के संस्थापक,महान शिक्षाविद् एवं प्रखर राष्ट्रवादी विचारक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस सभी ने मिलकर मनाया। कार्यक्रम प्रभारी सह भाजयुमो प्रदेश महामंत्री मनीष दुबे नें कहा कि जनसंघ के संस्थापक,इस देश के सच्चे राष्ट्रभक्त डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पुण्यतिथि भारतीय जानता पार्टी के कार्यकर्त्ता बूथ स्तर पर मना रहें है,हम सभी नें भाजपा जिला कार्यालय में भी उनकी पुण्यतिथि मना रहें है। और जिस प्रकार डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी इस देश के आजादी में,इस देश की एकता और अखंडता में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है उनके पुण्यतिथि के अवसर पर हम सभी कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि उनके रास्ते और मार्गदर्शन में हमसभी राष्ट्र के एकता और अखंडता को बरकरार रखने में पूरी कोशिश करेंगे। जिला उपाध्यक्ष सुकुमार सर्कल ने कहा कि जामताड़ा जिले के दोनों विधानसभा में भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उनकी पुण्यतिथि मनाई जा रही है,इसी निमित्त आज भाजपा जिला कार्यालय में भी उनकी पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष सुकुमार सर्कल ने तथा धन्यवाद ज्ञापन जिला कोषाध्यक्ष चंदन रावत ने किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री कमलेश मंडल,भाजपा नेता दुबराज मंडल तथा राजेंद्र राउत,जिला उपाध्यक्ष मोहन शर्मा,जिला मंत्री आभा आर्या,जिला कार्यालय मंत्री रमेश पंडित,ग्रामीण मंडल अध्यक्ष निर्मल सोरेन,नगर अध्यक्ष प्रदीप राउत,अंजनी तिवारी, प्रवीण मिश्रा,ब्रजेश रावत,लालटू नायक,मितेन गोराई,उदय मंडल सहित अन्य उपस्थित रहे।

जामताड़ा में डीएलएसए की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

जामताड़ा : नालसा के 90 दिवसीय प्रोग्राम के तहत मंगलवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बाल गृह जामताड़ा में डीएलएसए जामताड़ा की ओर स` एक कायर्क्र म का आयोजन किया गया, कार्यक्रम की शुरूआत विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव पवन कुमार ने की । उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि हर उम्र के बच्चे का अधिकार होता है कोई भी बच्चा जन्म लेता है तो उसके साथ ही उसे उसका अधिकार मिल जाता है। जैसे की जन्म के बाद से ही उस बच्चे को जीने और जीवन के सुरक्षा का अधिकार मिल जाता है, उसके विकास के लिए अच्छे भोजन और साफ पानी और स्वास्थ्य की सुरक्षा का अधिकार मिल जाता है,बच्चों को स्वास्थ्य के लिए टीकाकरण पोषण और मानसिक विकास के लिए जो अधिकार दिए हैं वह अपने आप मिल जाते हैं बच्चों को बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा का अधिकार 6-14 बर्ष के बच्चों के लिए मुμत शिक्षा का अधिकार दिया गया है,बच्चों के हर प्रकार के शोषण दुर्व्यवहार, हिंसा और उपेक्षा से सुरक्षित रहने का भी अधिकार दिया गया है। 6 से 14 वर्ष के बच्चों को भारी कार्यों फैक्ट्री दुकानों में काम करने की मनाही है। अगर इस तरह का कार्य किसी संस्था में काम करते हुए पाया जाता है तो उस संथा के विरुद्ध कानून का- रवाई का प्रावधान है।कार्यक्रम में बाल गृह अधीक्षक सुधीर गोस्वामी,हाउस फादर विनोद कु मार सिहं और रोपना मडं ल अधिकार मित्र मध्ेाा गुप्ता मौजूद रहे।

उपायुक्त के निर्देश पर मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

जामताड़ा : निषिद्ध मादक पदार्थों के सेवन एवं तस्करी की रोकथाम तथा आमजन में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार के निदेर्शानुसार आगामी 26 जून 2026 तक राज्यव्यापी जागरूकता अभियान के क्रम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग जामताड़ा के सौजन्य से जिले के सभी प्रखंडों के विभिन्न हाट बाजारों, विद्यालयों, चौक चौराहों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष नशामुक्ति अभियान के तहत एलईडी वैन, नुक्कड़ नाटक एवं बुकलेट आदि के माध्यम से अवेयरनेस ड्राइव चलाया जा रहा है।अभियान के तहत आमजनों के बीच नशे के दुष्प्रभावों, सामाजिक एवं आर्थिक नुकसान तथा इससे बचाव के उपायों की जानकारी पहुंचाने के लिए प्रचार प्रसार किया जा रहा है। संदेशप्रद ऑडियो वीडियो संदेशों का प्रसारण के अलावा पोस्टर, बुकलेट आदि माध्यम से नशामुक्ति के लिए व्यापक जागरूकता फै लाइ जा रही ह। इसके अतिरिक्त नकु कड़ नाटकों के माध्यम से कलाकारों द्वारा प्रस्तुत नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों एवं परिवार तथा समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित किया जा रहा है।

एमएसएमई क्षेत्र में ऋण 51 हजार करोड़ रुपये के पार, आरबीआई ने किया जागरूकता शिविर का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः एमएसएमई दिवस के अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक के रांची कार्यालय ने विशेष एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय कार्यालय, मुंबई की महाप्रबंधक डॉ. शैलजा सिंह ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और निर्यात में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि आरबीआई के नए दिशानिदेर्शों के तहत सूक्ष्म एवं लघु इकाइयों को 25 लाख रुपये तक के ऋण के लिए बैंकों को 14 कार्य दिवस के भीतर निर्णय लेना होगा। कार्यक्रम में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान झारखंड में एमएसएमई क्षेत्र को दिया गया बकाया ऋण 31 मार्च 2026 तक बढ़कर 51,020 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। शिविर में उद्यमिता विकास, वित्तीय जागरूकता और ऋण सुविधाओं पर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए। इस अवसर पर नाबार्ड, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, विभिन्न बैंकों के अधिकारियों और उद्यमियों ने भी अपने अनुभव साझा किए, जबकि कई उद्यमियों ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई।

शानदार परफॉर्मेंस और दमदार मजबूती के लिए तैयार गैलेक्सी M47 5G, 29 जून को भारत में होगा लॉन्च

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : सैमसंग इंडिया 29 जून को अपने लोकप्रिय गैलेक्सी ट सीरीज पोर्टफोलियो में नया गैलेक्सी M47 5Gलॉन्च करने जा रहा है। युवा उपयोगकताओं को ध्यान में रखकर तैयार यह स्मार्टफोन अपनी श्रेणी में सबसे अग्रणी फीचर्स लेकर आएगा, जो इसे गेमिंग, मनोरंजन, कंटेंट देखने, मल्टीटास्किंग और रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए उपयुक्त बनाते हैं।

गैलेक्सी M47 5G में स्नैपड्रैगन 6 जेन 3 प्रोसेसर दिया गया है, जिसे 4nm आर्किटेक्चर पर बनाया गया है। LPDDR5X RAM के साथ मिलकर यह डिवाइस तेज और सहज प्रदर्शन देती है, जिसमें रुकावट कम होती है और काम जल्दी पूरे होते हैं। यह मेमोरी खपत कम करके पावर एफिशिएंसी भी बेहतर करता है।

इस स्मार्टफोन में कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस)+ की सुरक्षा दी गई है, जो खरोंचों से चार गुना बेहतर बचाव और 2 मीटर तक की ऊंचाई से गिरने की क्षमता प्रदान करता है, जिससे इसकी मजबूती और बढ़ती है। गैलेक्सी M47 5G में 6000mAhकी बैटरी दी गई है, जो एक बार चार्ज करने पर लंबे समय तक इस्तेमाल के लिए बनाई गई है। इसमें 45ह फास्ट चार्जिंग का भी समर्थन है, जिससे उपयोगकताओं को चार्जर से कम समय तक जुड़े रहना पड़ेगा।

गेमिंग के शौकीनों के लिए गैलेक्सी M47 5G में बायपास चार्जिंग फीचर दिया गया है, जो गेम खेलते समय डिवाइस को सीधे एडॉप्टर से पावर देता है। इससे गर्मी कम पैदा होती है और परफॉर्मेंस थ्रॉटलिंग कम होती है, जिससे गेमिंग बिना रुकावट जारी रहती है।

स्मार्टफोन में 6.7 इंच की FHD+ सुपर एमोलेड डिस्प्ले दी गई है, जो कंटेंट देखने का गहन और आकर्षक अनुभव देती है। 120Hz रिफ्रेश रेट और तेज टच रिस्पॉन्स के साथ यह ऐप्स, वीडियो और गेम्स में स्मूद स्क्रॉलिंग और सहज व्यूइंग अनुभव प्रदान करता है।

कैमरे की बात करें तो गैलेक्सी M47 5G में 50MP ओआईएस ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप और 12MP एचडीआर फ्रंट कैमरा दिया गया है। रियर कैमरे में मौजूद ऑप्टिकल इमेज स्टेबलाइजेशन (ओआईएस) हाथ के हिलने या अचानक झटकों से होने वाली धुंधलाहट को कम करके उच्च-रिजॉल्यूशन तस्वीरें और स्थिर वीडियो लेने में मदद करता है। एचडीआर फ्रंट कैमरा तेज धूप या बैकलिट जैसे चुनौतीपूर्ण रोशनी वाले माहौल में भी शानदार और जीवंत सेल्फी देता है। उपयोगकर्ता 4ड रिजॉल्यूशन में वीडियो रिकॉर्डिंग भी कर सकेंगे, जिससे बेहतर गुणवत्ता, अधिक स्पष्टता और असल जैसे रंगों के साथ वीडियो कैप्चर संभव होगा। गैलेक्सी M47 5G में नाइटोग्राफी फीचर भी है, जिससे कम रोशनी में भी जीवंत फोटो और वीडियो लिए जा सकते हैं।

गैलेक्सी M47 5G में एंड्रॉयड 16 पर आधारित नवीनतम One UI8.5 दिया जाएगा। यह सॉफ्टवेयर इस्तेमाल न हो रही ऐप्स को अपने आप स्लीप मोड में डाल देता है, जिससे बैकग्राउंड में बैटरी खर्च कम होता है और बैटरी लाइफ बेहतर मिलती है। डिवाइस को एंड्रॉयड ओएस के छह पीढ़ियों तक अपग्रेड और छह साल तक सिक्योरिटी अपडेट मिलेंगे। यह लंबे समय का सॉफ्टवेयर सपोर्ट उपयोगकताओं को आने वाले वर्षों तक नए फीचर्स, सुधारों और सुरक्षा संबंधी सुविधाओं के साथ अपडेट रखने के लिए तैयार किया गया है।

स्मार्टफोन में ऑन-डिवाइस वॉयस मेल फीचर भी है, जिससे उपयोगकर्ता के कॉल न उठा पाने पर कॉल करने वाला व्यक्ति संदेश छोड़ सकता है। सैमसंग वॉलेट के जरिए टैप एण्ड पे सुविधा भी दी गई है, जिससे सुरक्षित और सुविधाजनक भुगतान किया जा सकेगा।

इसके अलावा, गैलेक्सी M47 5G में सर्किल टू सर्च और गूगल जेमिनी जैसे एआई-संचालित फीचर्स भी दिए गए हैं, जो स्मार्ट सहायता और जानकारी तक आसान पहुंच उपलब्ध कराते हैं। डिवाइस में ऑटो ब्लॉकर और सैमसंग नॉक्स वॉल्ट जैसे उन्नत सुरक्षा फीचर्स भी हैं, जो संवेदनशील जानकारी को हार्डवेयर-आधारित हमलों और मालवेयर से सुरक्षित रखते हैं।

गैलेक्सी M47 5G दो आकर्षक रंगों - रोग रेड और ब्लेज ब्लू - में उपलब्ध होगा। यह स्मार्टफोन पतली बनावट और आधुनिक डिजाइन के साथ युवा उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

न्याय तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करने हेतु जागरूकता अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार सुधांशु कुमार शशि के निदेर्शानुसार विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में न्याय तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करने हेतु विधिक जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा हैं । अभियान के तहत जिले के जामा प्रखंड कार्यालय परिसर लोगों को उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान डालसा के सचिव विवेक कुमार ने आमजन को निशुल्क विधिक सहायता योजना, लोक अदालत, स्थायी लोक अदालत, मध्यस्थता, महिला एवं बाल संरक्षण कानून, घरेलू हिंसा से संरक्षण, बाल विवाह निषेध, बाल श्रम उन्मूलन, साइबर अपराध से बचाव, नशामुक्ति अभियान तथा वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की गई। लोगों को बताया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर, अनुसूचित जाति एवं जनजाति, महिलाएं, बच्चे, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागा- रक तथा अन्य पात्र व्यक्तियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा निशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उपस्थित लोगों को यह भी बताया गया कि लोक अदालत के माध्यम से वादों का त्वरित, सस्ता एवं सौहार्दपूर्ण निपटारा संभव है। इस अवसर पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल, अंकित कुमार सिंह, पारा विधिक स्वयंसेवक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

मतदाता सूची से संबंधित विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : सदर प्रखंड में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत मतदाताओं तक एन्यूमरेशन फॉर्म पहुंचाने एवं फॉर्म भरवाने को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मतदाता सूची के अद्यतन कार्य को सुचारू एवं प्रभावी ढंग से कराने हेतु दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सभी बूथ लेवल अधिकारियों को मतदाता सूची से संबंधित बेसिक डीटेल्स की पूरी जानकारी रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की आधारशिला है और इसकी शुद्धता एवं अद्यतनता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। बीएलओ अपने दायित्वों का गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें। उपायुक्त ने कहा कि एन्यूमरेशन फॉर्म को प्रत्येक पात्र मतदाता तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाया जाए तथा फॉर्म भरने में किसी प्रकार की त्रुटि न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

प्रशिक्षण प्राप्त लाभुकों को स्वरोजगार से जोड़ने का निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा कर उनकी प्रगति का जायजा लिया। बैठक में योजनाओं की वर्तमान स्थिति, लाभुकों तक पहुंच, उपलब्धियों एवं क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। उप विकास आयुक्त ने संकुल स्तर पर सामुदायिक निवेश निधि की राशि का भुगतान सखी मंडल की दीदियों द्वारा तैयार किए गए लाइवलीहुड माइक्रो क्रेडिट प्लान की मांग के अनुरूप सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने वन धन विकास केंद्र के टर्नओवर में वृद्धि करने तथा खनन प्रभावित क्षेत्रों में ईरिक शा संचालन को बढ़ावा देने पर बल दिया। साथ ही प्रशिक्षण प्राप्त लाभुकों को स्वरोजगार से जोड़ने का निर्देश दिया। कृषि एवं आजीविका संवर्धन से संबंधित योजनाओं की भी समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त ने सखी मंडलों को पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक आवेदन करने तथा सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को अपनाकर जल संरक्षण एवं कृषि उत्पादकता बढ़ाने हेतु प्रेरित करने का निर्देश दिया। सभी प्रखंडों को सबसेक टर के अंतर्गत स्ट्रॉबेरी उत्पादन से संबंधित प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा गया। बैठक के दौरान विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह परिवारों के सर्वेक्षण कार्य की समीक्षा करते हुए आगामी सात दिनों के भीतर सर्वेक्षण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में जेएसएलपीएस के जिला प्रबंधक, प्रखंडों के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, एंटरप्राइज प्रमोशन से संबंधित प्रखंड परियोजना पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बांका के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी जवाहर कुमार झा कांग्रेस में शामिल

पटना, (एजेंसी) : बांका विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी एवं सामाजिक कार्यकर्ता जवाहर कुमार झा ने मंगलवार को बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम उपस्थित रहे।

जवाहर कुमार झा ने वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव में बांका विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा था। उनके कांग्रेस में शामिल होने को बांका क्षेत्र में पार्टी के संगठनात्मक विस्तार के प्रयासों से जोड़कर देखा जा रहा है।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने जवाहर कुमार झा का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस उन सभी सामाजिक और राजनीतिक कार्यकताओं का स्वागत करती है जो लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा तथा जनता की आवाज को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि जवाहर कुमार झा के कांग्रेस परिवार में शामिल होने से संगठन को मजबूती मिलेगी और बांका सहित आसपास के क्षेत्रों में पार्टी के जनाधार को विस्तार देने में सहायता मिलेगी।

राजेश राम ने विश्वास व्यक्त किया कि जवाहर झा का सामाजिक और राजनीतिक अनुभव संगठन के लिए उपयोगी साबित होगा तथा वे पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने के बाद जवाहर कुमार झा ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा, लोकतांत्रिक परंपराओं और जनसेवा के संकल्प से प्रेरित होकर उन्होंने पार्टी में शामिल होने का निर्णय लिया है। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने तथा जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का भरोसा दिया।

सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम के दौरान पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इनमें बैद्यनाथ शर्मा, मनोज शर्मा, कमलदेव नारायण शुक्ला, राहुल चौहान, अमित आनंद, उदय शंकर पटेल, सतेंद्र कुमार सिंह और शशि कुमार सिंह शामिल थे।

संदिग्ध परिस्थिति में महिला की मौत

भागलपुर, (एजेंसी) : भागलपुर में एक बार फिर संदिग्ध परिस्थिति में महिला की मौत का मामला सामने आया है।

पुलिस जिला नवगछिया के इस्माइलपुर थाना क्षेत्र के कलाकुंड गांव में तीन बच्चों की मां की मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है।

मृतका की पहचान रंजीत कुमार की पत्नी प्रियंका कुमारी के रूप में हुई है। जिसकी उम्र करीब 27 साल बताई जा रही है। परिजन के अनुसार बीती रात प्रियंका खाना बना रही थी, तभी अचानक उसके पेट में दर्द उठा और इसके बाद लगातार उल्टियां होने लगी।

तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे डॉक्टरों ने प्रियंका को मृत घोषित कर दिया।

मृतका के पति रंजीत कुमार मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। शादी को करीब 10 साल हो चुके थे और प्रियंका के तीन बच्चे हैं।

इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतका के मायके पक्ष के लोग भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मौत के कारणों पर अनभिज्ञता जताई है। वहीं बरारी पुलिस कैंप ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है ।

अज्ञात वाहन की टक्कर से शिक्षक की मौत

सुपौल,(एजेंसी) : सदर थाना क्षेत्र के कर्णपुर के समीप सुपौल-सहरसा मुख्य मार्ग पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक शिक्षक की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है, जबकि पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान कर्णपुर निवासी राजेश पाठक उर्फ प्रशांत शेखर पाठक (करीब 50 वर्ष) के रूप में हुई है। वे स्थानीय गणपति पाठक के पुत्र थे और मध्य विद्यालय सिठहर में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे।बताया जाता है कि सोमवार देर रात राजेश पाठक किसी कार्य से लौटने के बाद पैदल अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान कर्णपुर के पास सुपौल-सहरसा मुख्य मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक वाहन समेत फरार हो गया।

मंगलवार सुबह स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे शव पड़ा देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी।सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर दुर्घटना के कारणों और फरार वाहन की पहचान करने में जुटी है। सदर थानाध्यक्ष रामसेवक रावत ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। मामले की जांच की जा रही है और अज्ञात वाहन की पहचान कर चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मृतक अपने पीछे एक पुत्र और दो पुत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके असामयिक निधन से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं शिक्षा जगत और स्थानीय लोगों में भी शोक की लहर दौड़ गई है।

27 जून से दानापुर-पुणे के बीच चलेगी नई अमृत भारत एक्सप्रेस, सफर होगा आसान

पटना, (एजेंसी) : बिहार और महाराष्ट्र के बीच यात्रा करने वाले रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। यात्रियों की बढ़ती संख्या और बेहतर यात्रा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पूर्व मध्य रेलवे ने दानापुर और पुणे के बीच नई अमृत भारत एक्सप्रेस चलाने का निर्णय लिया है। इस ट्रेन का नियमित परिचालन 27 जून से शुरू होगा। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि यह ट्रेन साप्ताहिक आधार पर संचालित की जाएगी। नई सेवा शुरू होने से नौकरीपेशा लोगों, छात्रों, व्यवसायियों और प्रवासी यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। साथ ही, इस रूट पर सीटों की कमी और लंबी वेटिंग लिस्ट की समस्या में भी कमी आने की उम्मीद है। रेलवे द्वारा जारी समय-सारिणी के अनुसार, गाड़ी संख्या 11431 पुणे-दानापुर अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक शनिवार को दोपहर 3:25 बजे पुणे से रवाना होगी और सोमवार रात 1:30 बजे दानापुर पहुंचेगी।

दानापुर मंडल संसदीय समिति की बैठक संपन्न, बैठक में सांसदगण व सांसद प्रतिनिधि ने लिया भाग

हाजीपुर(एजेंसी) : आज महेंद्रू घाट, पटना में दानापुर मंडल की ह्यमंडल संसदीय समितिह्न की बैठक का आयोजन किया गया । इस बैठक में दानापुर मंडल क्षेत्राधिकार के माननीय सांसदगण ने भाग लिया । बैठक की अध्यक्षता नालन्दा के माननीय सांसद कौशलेन्द्र कुमार द्वारा की गयी । सभी माननीय सांसदगण के द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास हेतु अपने-अपने सुझावों को रखा गया । इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार सहित मुख्यालय एवं दानापुर मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे । आज की इस बैठक में राज्यसभा के सांसद शिवेश कुमार एवं शंभु शरण पटेल तथा आरा सांसद सुदामा प्रसाद, बक्सर सांसद सुधाकर सिंह, गाजीपुर सांसद अफजल अंसारी, नवादा सांसद विवेक ठाकुर उपस्थित थे । इनके अलावा सांसद नीतीश कुमार के प्रतिनिधि के रूप में विधायक ललन कुमार, भारत सरकार के मंत्री गिरिराज सिंह के सांसद प्रतिनिधि कुंदन भारती, सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री, भारत सरकार जीतन राम मांझी के सांसद प्रतिनिधि डॉ. मोहम्मद सिबगतुल्लाह सांसद खीरू महतो के प्रतिनिधि पिंटू कुमार सिंह, सांसद डॉ. भीम सिंह के सांसद प्रतिनिधि इन्द्रजीत कुमार, सांसद रवि शंकर प्रसाद के सांसद प्रतिनिधि रामजी सिंह, सांसद वीरेन्द्र सिंह के सांसद प्रतिनिधि संतोष कुमार यादव, सांसद डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद यादव के प्रतिनिधि मोहम्मद शहनवाज, सांसद अरूण भारती के प्रतिनिधि अरविंद कुमार उपस्थित थे ।

बैठक में माननीय सांसदगण ने रेल विकास व यात्री सुविधाओं में और वृद्धि एवं उसे सुदृढ़ करने के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये।

सांसदगण के द्वारा आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया । साथ ही बैठक में भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी चर्चा हुई । इससे पूर्व बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने सांसदगण एवं सांसद के प्रतिनिधिगण का स्वागत किया । महाप्रबंधक ने अपने स्वागत संबोधन में दानापुर मंडल द्वारा यात्री सुविधा, आधारभूत संरचनाओं के विकास आदि के क्षेत्र में किए गए कार्यों एवं नई परियोजनाओं से माननीय सांसदगण को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि दानापुर मंडल अपने ऐतिहासिक स्थापना एवं निरंतर यात्री सेवा के स्वर्णिम उपलब्धियों के साथ विगत वर्ष 2025 में शताब्दी वर्षगांठ मनाते हुए निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि गाड़ियों के समयबद्ध परिचालन को बेहतर बनाने के लिए हम सतत प्रयत्नशील हैं । पर्व त्योहार एवं अत्यंत व्यस्त सीजन पर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करती रही है । वर्तमान वितीय वर्ष 2025-26 में 518 जोड़ी विशेष रेल गाड़ियों का परिचालन किया गया एवं विभिन्न गाड़ियों में कुल 2262 अतिरिक्त कोच लगाये गए । ह्यअमृत भारत स्टेशनह्न योजना के तहत स्टेशनों का दीर्घकालिक दृष्टिकोण से विकास किया जा रहा है । पाटलिपुत्र में वन्दे भारत ट्रेनसेट अनुरक्षण डिपो एवं हार्डिंग पार्क में 05 नये प्लेटफॉर्म का निर्माण कार्य प्रगति पर है। प्रस्तावित राजगीर कोचिंग कॉम्प्लेक्स एवं फतुहा मेगा कोचिंग टर्मिनल का निर्माण कार्य अलग-अलग चरणों में प्रगति पर है । महाप्रबंधक ने माननीय सांसदों से प्राप्त बहुमूल्य सुझावों के लिये आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुझाव हमें भविष्य में रेल विकास कार्यों की रूप-रेखा तय करने में काफी सहायक सिद्ध होगा ।

नालंदा में खेत बचाओ अभियान का आयोजन

नालंदा, (एजेंसी) : जिले के हरनौत प्रखंड में मंगलवार को कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) के तत्वावधान में शारदीय (खरीफ) महाअभियान-2026 के अंतर्गत एक दिवसीय प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम-सह-खेत बचाओ अभियान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, प्राकृतिक खेती, मिट्टी संरक्षण तथा सरकारी कृषि योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर और जागरूक बनाना था।कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख सुबीली देवी, आत्मा अध्यक्ष चंद्रदेव प्रसाद, प्रखंड कृषि पदाधिकारी (बीएओ) ब्रजकिशोर चरण, कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के वैज्ञानिक डॉ. उदय प्रकाश नारायण, तेलमर पंचायत के मुखिया हरिनारायण सिंह, 20 सूत्री कार्यक्रम के उपाध्यक्ष मुकेश कुमार तथा पंचायत समिति सदस्य राणा शैलेश सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।प्रशिक्षण के दौरान किसानों को किसान रजिस्ट्री, प्राकृतिक खेती, मिट्टी जांच, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण, पशुपालन, विशेष रूप से साहिवाल एवं अन्य देशी नस्ल की गायों के पालन तथा धान की वैज्ञानिक खेती की जानकारी दी गई।विशेषज्ञों ने किसानों को जुलाई के प्रथम सप्ताह तक धान का बिचड़ा गिराने की सलाह दी ताकि समय पर रोपाई कर बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सके।आत्मा अध्यक्ष चंद्रदेव प्रसाद ने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित खरीफ महाअभियान किसानों को नई तकनीकों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने खेत बचाओ अभियान के तहत मिट्टी जांच, हरी खाद के उपयोग, फसल चक्र अपनाने तथा रासायनिक उर्वरकों के संतुलित प्रयोग पर विशेष बल दिया।उन्होंने कहा कि इन उपायों को अपनाकर किसान भूमि की उर्वरता बनाए रखते हुए उत्पादन और आय दोनों में वृद्धि कर सकते हैं।

बिहार सरकार के वन व जलवायु मंत्री डा. रामचन्द्र प्रसाद ने की विभागीय समीक्षा बैठक

पटना (एजेंसी) : पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार सरकार के मंत्री डा. रामचन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में विभागीय योजनाओं की स्थिति के संबंध में समीक्षा बैठक की गई। बैठक में माननीय मंत्री के द्वारा विभागीय योजनाओं की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई तथा आवश्यक निदेश दिए गए। प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरविन्द सिंह के द्वारा द्वितीय कृषि रोड मैप (2012-17) एवं तृतीय कृषि रोड मैप (2017-23) के तहत किए गए कार्यों के संबंध में पीपीटी के माध्यम से विस्तार से बताया गया। साथ ही चतुर्थ कृषि रोड मैप (2023-28) में किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा की गई।

माननीय मंत्री के द्वारा निदेशित किया गया कि पौधारोपण के बाद उसके अनुरक्षण पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है ताकि चतुर्थ कृषि रोड मैप में निर्धारित 17 प्रतिशत वन आच्छादन के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। लंबित योजनाओं को भी ससमय पूरा करने का निदेश सभी पदाधिकारियों को दिया गया। रोहतास एवं कैमूर जिलों में निमार्णाधीन व्याघ्र अभ्यारण्य की प्रगति की भी समीक्षा की गई।मुख्यवन संरक्षक सह निदेशक हरियाली मिशन द्वारा जल जीवन हरियाली अभियान के तहत किये जा रहे कार्यो के संबंध में मंत्री श्री प्रसाद को अवगत कराया गया। साथ ही ईको टूरिज्म डेवलपमेंट सोसायटी के कार्यो के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरविंदर सिंह, अपर प्रधान मुख्य संरक्षक सह मुख्य वन प्राणी प्रतिपालक अभय कुमार, मुख्य वन संरक्षक सह निदेशक, हरियाली मिशन एस. चन्द्रशेखर, मुख्य वन संरक्षक सह विशेष सचिव आलोक कुमार, मुख्य वन संरक्षक अमित कुमार, क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, पटना नेषामणी के, अपर सचिव श्रीमती पूनम कुमारी एवं अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आर्केस्ट्रा संचालकों के ठिकानों पर महिला पुलिस का छापा, 20 नाबालिग लड़कियां बरामद

सीवान, (एजेंसी) : जिले में नौतन थाना क्षेत्र के बांका मोड़ और गंगा मोड़ स्थित आर्केस्ट्रा संचालकों के ठिकानों पर महिला पुलिस की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को 20 नाबालिग लड़कियों को बरामद किया है।बरामद सभी लड़कियों को आवश्यक प्रक्रिया के लिए सिवान ले जाया गया है। कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार महिला थाना, एनजीओ प्रतिनिधियों तथा मानवाधिकार से जुड़े अधिकारियों की संयुक्त टीम ने मंगलवार को नौतन थाना क्षेत्र में छापेमारी अभियान चलाया।

इस दौरान विभिन्न आर्केस्ट्रा संचालकों के ठिकानों की जांच की गई, जहां से 20 नाबालिग लड़कियां बरामद की गईं। नौतन थानाध्यक्ष जीत मोहन कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई महिला थाना की अगुवाई में की गई है।

मामले की विस्तृत जानकारी और कानूनी कार्रवाई के संबंध में महिला थाना द्वारा ही आधिकारिक जानकारी दी जाएगी। सूत्रों के अनुसार छापेमारी के दौरान कई आर्केस्ट्रा संचालकों के ठिकानों की जांच की गई। बरामद लड़कियों की उम्र, पहचान और वहां रहने के कारणों की जांच की जा रही है। संबंधित कानूनों के तहत आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई का स्वागत किया है। उनका कहना है कि नौतन बाजार के उत्तर क्षेत्र, सोना चौक, भुलौनी मोड़, गंगा मोड़ और बांका मोड़ समेत कई स्थानों पर लंबे समय से आर्केस्ट्रा संचालन की आड़ में संदिग्ध गतिविधियों की शिकायतें मिलती रही हैं। लोगों ने ऐसे मामलों पर लगातार निगरानी और सख्त कार्रवाई की मांग की है।पुलिस सूत्रों के अनुसार बरामद लड़कियों के परिजनों, संचालकों और संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

किशोरी के रेस्क्यू के दौरान अवैध नेटवर्क का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

सीवान, (एजेंसी) : मुफस्सिल थाना पुलिस ने एक नाबालिग किशोरी के रेस्क्यू अभियान के दौरान अवैध गतिविधियों से जुड़े एक नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए तीन महिलाओं और एक पुरुष को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

मुफस्सिल थाना पुलिस के अनुसार पचरुखी थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग पुत्री के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। किशोरी अपने मामा के घर रह रही थी और किसी बात को लेकर नाराज होकर वहां से चली गई थी।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि घर छोड़ने के बाद किशोरी की मुलाकात एक युवक से हुई, जिसने उसे बेहतर जगह रखने का झांसा दिया। बाद में उसका संपर्क एक महिला से कराया गया, जिसने उसे अपनी बहन के घर भेज दिया। वहां पहुंचने के बाद किशोरी को गतिविधियां संदिग्ध लगीं और उसने इंस्टाग्राम के माध्यम से अपने पिता को अपनी स्थिति की जानकारी दी।

परिजनों की सूचना पर मुफस्सिल थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर तकनीकी सहायता से जांच शुरू की। किशोरी के मोबाइल में सिम कार्ड नहीं होने के बावजूद इंस्टाग्राम के जरिए मिले संकेतों और लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम नई किला नवलपुर पहुंची और उसे सकुशल बरामद कर लिया।

रेस्क्यू के बाद किशोरी के बयान और निशानदेही पर पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की।

इस दौरान तीन महिलाओं और एक पुरुष को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का आरोप है कि ये लोग युवतियों और महिलाओं को अवैध गतिविधियों में धकेलने का काम करते थे।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि किशोरी के रेस्क्यू अभियान के दौरान अवैध कारोबार से जुड़े कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मामले की गहन जांच की जा रही है तथा नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

धूल भरी आंधी और बारिश से गर्मी से मिली राहत

भागलपुर, (एजेंसी) : उमस भरी गर्मी झेल रहे भागलपुर के लोगों के मंगलवार का दिन अच्छा साबित हुआ। 15 दिनों की तेज गर्मी के बाद आज दोपहर एकाएक आसमान में काले बादल छा गए। इसके बाद धूल भरी आंधी चलने लगी।

आंधी काफी तेज थी। आंधी का बवंडर काफी तेज था। इस दौरान सड़क पर जो जहां खड़ा था वहीं छिप गया गया। गाड़ी वालों ने सड़क किनारे जहां पेड़ था वहीं गाड़ी खड़ी कर दिये। इतनी तेज आंधी थी कि कई जगह पेड़ गिर गये, पेड़ की टहनियां टूट गयी। वहीं बिजली पूरे शहर में बंद हो गई। आंधी और तेज बारिश से कई घरों के छत के टीन के छप्पर उड़ गये। कई घरों की खिड़की टूट गयी। गाय के खटाल उड़ गया।

आंधी की रफ्तार करीब 80 से 100 किलो मीटर थी। जितनी तेज आंधी थी उतनी तेज बारिश नहीं थी। बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर ग्रामीण कृषि मौसम सेवा केंद्र के नोडल पदाधिकारी डॉ वीरेंद्र कुमार ने बताया कि 60-80 किलो मीटर प्रति घंटे के रफ्तार से आंधी चली है।

विकसित बिहार का मंत्र: शहरीकरण, औद्योगीकरण और पर्यटन से विकास की नई उड़ान- मंत्री नीतीश मिश्रा

पटना, (एजेंसी) : विकसित बिहार के लिए शहरीकरण, औद्योगीकरण और पर्यटन को तीन प्रमुख आधार बताते हुए नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि राज्य इन क्षेत्रों के माध्यम से विकास की नई ऊंचाइयों को छूने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में बिहार ने विकास की लंबी और सकारात्मक यात्रा तय की है तथा अब वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर और आधुनिक शहरों के निर्माण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पटना स्थित अधिवेशन भवन में नगर विकास एवं आवास विभाग (यूडीएचडी) द्वारा आयोजित दो दिवसीय ह्यबिहार अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्रामह्न के उद्घाटन अवसर पर मंत्री ने कहा कि समय की मांग के अनुरूप राज्य को विकासशील और भविष्य उन्मुख शहर बसाने होंगे। इसके लिए योजनाबद्ध शहरीकरण, डिजिटल नवाचार और सैटेलाइट टाउनशिप की अवधारणा को आगे बढ़ाया जाएगा।

नीतीश मिश्रा ने कहा कि शहरों के विकास के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होगी। ऐसे में जिन नगर निकायों की परियोजनाओं में नवाचार, सतत विकास और राजस्व सृजन की क्षमता होगी, उन्हें अर्बन चैलेंज फंड के तहत विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाले कार्य करने का आह्वान किया तथा वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर सफल मॉडलों से सीख लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर जोर दिया।

मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार शहरी प्रशासन को मजबूत बनाने के लिए वित्तीय सहायता में लगातार वृद्धि कर रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए शहरी विकास योजनाओं एवं प्रतिबद्ध देनदारियों के मद में 15,237 करोड़ रुपये से अधिक के बजट का प्रावधान प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में 332 करोड़ रुपये का संपत्ति कर संग्रह बढ़कर वर्ष 2025-26 में 565 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसे नगर वित्त व्यवस्था की रीढ़ बताते हुए उन्होंने सभी शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) से संपत्ति मूल्यांकन में सुधार, डिजिटल कर संग्रह प्रणाली को मजबूत करने और कर अनुपालन बढ़ाने को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।वर्ल्ड बैंक देगा 10 वर्षों तक सहयोग नीतीश मिश्रा ने जानकारी दी कि बिहार के शहरी कायाकल्प कार्यक्रम के लिए वर्ल्ड बैंक और यूडीएचडी के बीच साझेदारी की गई है। इसके तहत विश्व बैंक अगले 10 वर्षों तक नगर निकायों की वित्तीय आत्मनिर्भरता सहित विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी और वित्तीय सहयोग प्रदान करेगा।

संपादकीय

हर शहर में सैकड़ों लाक्षागृह?

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक कोचिंग सेंटर में आग लगी जिसमें 15 बच्चों की जान चली गई। अधिकांश मौत दम घुटने से हुई हैं। कई लोग घायल हैं, जो अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती हैं। मरने वालों में ज्यादातर छात्र हैं। इस घटना के पहले भी सैकड़ो घटनाएं इस तरीके की सामने आ चुकी हैं। तुरंत एसआईटी गठित कर जांच कराने, कार्रवाई करने की बात तो कर दी जाती है। कौरवो द्वारा पांडवो को मारने के लिये लाख का भवन तैयार किया गया था। भारत में अब जो होटल, हास्पिटल, कोचिंग सेन्टर एवं कामिर्शियल भवन तैयार हो रहे हैं, वे भी लाक्षागृह की तरह तैयार हो रहे है। इन पर रोक लगे या इस तरह के निर्माण ना हो इस पर अभी तक केंद्र सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन की सजगता देखने को नहीं मिलती है। भारत के हर शहर में सेकड़ों लाक्षागृह इस तरह के तैयार कर दिए गए हैं। हर साल सेकडों दुर्घटनाएं होती हैं, केंद्र सरकार राज्य सरकारें और जिला प्रशासन जांच के नाम पर मामलों को दबाने का प्रयास करता है। अभी तक ऐसी कोई नीति तैयार नहीं हुई, जिससे इन लाक्षागृहों को बनने से रोका जा सके। शहरों में जिस तरह के बड़े-बड़े भवन तैयार किया जा रहे हैं। इनमे निर्माण एवं फायर सेफ्टी के नियमों का उल्लंघन करते हुए तैयार किए जाते हैं। बाहर से भवन बहुत सुंदर दिखना चाहिए। इसमें कोई भी खिड़की और बालकनी का प्रयोग नहीं होता है। बाहर से देखने में इस तरह के भवन वाकई काफी सुंदर लगते हैं। यह पूरी तरह से एयर कंडीशनर तैयार किए जाते हैं। इस तरह के भवन सबसे असुरक्षित साबित हो रहे हैं। वर्तमान में अस्पताल, कोचिंग सेंटर, एवं अन्य व्यवसायिक गतिविधियों के लिए जो भवन तैयार किए जा रहे हैं, जहां पर सेकड़ों और हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं, भवन अधिकतर एयर कंडीशनर होते हैं। इनमें खिड़की और दरवाजा का प्रयोग बहुत कम होता है। बाहर से ऑक्सीजन आने, कार्बन डायऑक्साइड अथवा दूषित हवा के निकलने का कोई इंतजाम नहीं होता है। सुंदर दिखने के चक्कर में इस तरह के भवन (लाक्षागृह) के निर्माण में बड़ी मात्रा में विद्युत संयंत्रों, सजावट के लिए प्लास्टिक का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। सारी आधुनिक सुविधाएं यहां पर मुहैया होती हैं, कई लिफ्ट लगी होती हैं। पूरा भवन इलेक्ट्रिक वायर्स से पटा हुआ होता है। इलेक्ट्रिक वायरिंग और कम या ज्यादा लोड से कभी भी स्पार्क हो जाता है। ऐसे भवनों में जब आग लगती है तो एक छोटी सी चिंगारी के कारण सारे भवन में पहले धुंआ ही धुआं होता है उसके बाद आग की लैपटें बड़ी तेजी के साथ बढ़ती हैं।

जिस तरह जौहरी ही असली हीरे की पहचान कर सकता है, उसी तरह गुणी ही गुणवान की पहचान कर सकता है।

: कबीर

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्यों कि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है।

: रहीम

अयोध्या श्रीराम मंदिर चढ़ावा एवं दान प्रकरण: आस्था, जवाबदेही और पारदर्शिता की अग्निपरीक्षा

अयोध्या श्रीराम मंदिर चढ़ावा एवं दान मामला केवल धन के कथित दुरुपयोग का नहीं, बल्कि उस विश्वास की परीक्षा का है जो करोड़ों श्रद्धालुओं ने मंदिर व्यवस्था पर रखा है

अयोध्या श्रीराम मंदिर चढ़ावा एवं दान प्रकरण, वित्तीय अनियमितता मामला राजनीतिक, प्रशासनिक और न्यायिक स्तरपर चर्चा का विषय बन जाना दुर्भाग्यपूर्ण

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे बड़े आध्यात्मिक स्थलों में गिने जाने वाले तीर्थ, मंदिर,मठ, गुरुद्वारे,मस्जिदें और चर्च केवल आस्था के केंद्र ही नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं द्वारा दिए जाने वाले दान और चढ़ावे के कारण विशाल आर्थिक संस्थान भी बन चुके हैं। ऐसे में यदि कहीं दान राशि, चढ़ावे या ट्रस्ट निधियों के उपयोग को लेकर वित्तीय अनियमितताओं, पारदर्शिता की कमी अथवा जवाबदेही पर प्रश्न उठते हैं,तो उससे केवल धन का नुकसान नहीं होता, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं और विश्वास को भी गहरी ठेस पहुँचती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यही कारण है कि अब समय की मांग है कि सभी आध्यात्मिक एवं धार्मिक संस्थानों के लिए आय-व्यय का नियमित सार्वजनिक लेखा-जोखा, स्वतंत्र ऑडिट, डिजिटल भुगतान व्यवस्था वार्षिक वित्तीय रिपोर्ट का प्रकाशन तथा प्रचलित कानूनों, नियमों और विनियमों का कठोर अनुपालन अनिवार्य बनाया जाए। आस्था और प्रशासन का संतुलन तभी संभव है जब श्रद्धालुओं द्वारा दिए गए प्रत्येक रुपये के उपयोग में पूर्ण पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और ईमानदारी दिखाई दे। वित्तीय शुचिता केवल कानूनी आवश्यकता नहीं, बल्कि धर्मस्थलों की नैतिक प्रतिष्ठा और समाज के विश्वास को बनाए रखने की सबसे बड़ी कसौटी भी है।

साथियों अयोध्या में स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं,बल्कि करोड़ों भारतीयों और विश्वभर के रामभक्तों की सदियों पुरानी आस्था,संघर्ष और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। ऐसे में मंदिर में चढ़ावे,दान राशि, सोना-चांदी तथा अन्य बहुमूल्य वस्तुओं के कथित गबन,वित्तीय अनियमितताओं,शिलाओं के गायब होने, कर्मचारियों की संलिप्तता के आरोपों तथा जांच एजेंसियों की सक्रियता से जुड़ी खबरों ने पूरे देश में व्यापक चर्चा और चिंता पैदा कर दी है। यह मामला केवल धन के कथित दुरुपयोग का नहीं, बल्कि उस विश्वास की परीक्षा का है जो करोड़ों श्रद्धालुओं ने मंदिर व्यवस्था पर रखा है। सोमवार 22 जून 2026 की शाम 6 बजे तक उपलब्ध घटनाक्रमों के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी जांच निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है, उच्च न्यायालय में जनहित याचिका पर सुनवाई हो चुकी है, और मंदिर ट्रस्ट ने दान प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक सख्त एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। हालांकि अंतिम सत्य अभी जांच और न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है, इसलिए किसी भी व्यक्ति या संस्था को दोषी मानना अभी उचित नहीं होगा।

साथियों, सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि विवाद की शुरूआत उन आरोपों से हुई जिनमें मंदिर के चढ़ावे और दान प्रबंधन में कथित अनियमितताओं की बात कही गई। आरोपों में नकदी, सोना- चांदी और अन्य चढ़ावे के लेखा- जोखा पर प्रश्न उठाए गए। इसके बाद मामला राजनीतिक, प्रशासनिक और न्यायिक स्तरपर चर्चा का विषय बन गया। बढ़ते विवाद के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री के निर्देश पर तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया।एसआईटी में वरिष्ठ प्रशासनिक, पुलिस और वित्तीय अधिकारियों को शामिल किया गया तथा उसे सीमित समय में प्रारंभिक एवं अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने का दायित्व दिया गया।जांच के दौरान अनेक दावे सामने आए। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार एसआईटी ने धन के प्रवाह (मनी ट्रेल), दान पेटियों की निगरानी व्यवस्था, कर्मचारियों की भूमिका, रिकॉर्ड मिलान और डिजिटल साक्ष्यों की जांच पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। जांचकर्ताओं ने उन लोगों से पूछताछ की जिनके नाम प्रारंभिक आरोपों में सामने आए थे। एसआईटी का उद्देश्य यह पता लगाना था कि यदि कोई वित्तीय गड़बड़ी हुई है तो वह किस स्तर पर हुई, धन कहां गया, किन खातों में गया और उसकी अंतिम जिम्मेदारी किसकी बनती है।

साथियों, 22 जून 2026 तक सामने आई रिपोर्टों के अनुसार एसआईटी जांच अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। कुछ मीडिया स्रोतों में दावा किया गया कि जांच टीम ने अनेक दस्तावेजी साक्ष्य एकत्र किए हैं तथा कुछ निगरानी संबंधी कमियों और प्रशासनिक खामियों की पहचान की है। कुछ रिपोर्टों में सीसीटीवी फुटेज के अभाव या कथित छेड़छाड़ तथा निगरानी व्यवस्था की कमजोरी का उल्लेख किया गया है। हालांकि इन दावों की अंतिम पुष्टि केवल आधिकारिक रिपोर्ट या न्यायिक प्रक्रिया से ही होगी।एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट को लेकर जो सूचनाएं विभिन्न माध्यमों से सामने आई हैं, उनके अनुसार जांच दल ने दान प्रबंधन प्रणाली में कई संरचनात्मक कमजोरियों की ओर संकेत किया है। रिपोर्टों में यह भी कहा गया कि कुछ महत्वपूर्ण अवधि की निगरानी सामग्री उपलब्ध नहीं थी तथा प्रशासनिक जवाबदेही की श्रृंखला को और मजबूत करने की आवश्यकता है। कथित रूप से जांच दल ने व्यापक प्रशासनिक सुधारों, बेहतर निगरानी व्यवस्था और वित्तीय नियंत्रण को सुदृढ़ करने की सिफारिशें भी की हैं। हालांकि एसआईटी की अंतिम और१ आधिकारिक रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से जारी होने के बाद ही इन निष्कर्षों की प्रमाणिक स्थिति स्पष्ट होगी।

साथियों, इस पूरे विवाद के बीच एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि स्वयं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने आरोपों को गंभीरता से लिया और जांच का समर्थन किया। ट्रस्ट ने पहले भी कहा था कि नियमित ऑडिट और वित्तीय समीक्षा में कोई बड़ी गड़बड़ी सामने नहीं आई है, फिर भी यदि किसी स्तर पर अनियमितता हुई है तो दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। ट्रस्ट का कहना रहा है कि पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखना उसकी प्राथमिकता है।कथित दान अनियमितताओं के बाद ट्रस्ट द्वारा दान प्रबंधन प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार दान पेटियों की निगरानी, डिजिटल रिकॉर्डिंग, लेखांकन प्रक्रिया, बहुस्तरीय सत्यापन, सुरक्षा प्रोटोकॉल तथा वित्तीय ऑडिट प्रणाली को मजबूत किया जा रहा है। उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में किसी भी प्रकार की शंका या विवाद की गुंजाइश न्यूनतम रहे और श्रद्धालुओं का विश्वास अक्षुण्ण बना रहे।

साथियों, इस प्रकरण में न्यायिक पहलू भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं की सीबीआई जांच तथा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) से ऑडिट कराने की मांग को लेकर एक जनहित याचिका इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में दाखिल की गई। याचिकाकर्ता ने स्वतंत्र जांच, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की हैं।यह मामला 18 जून 2026 को अवकाशकालीन पीठ के समक्ष सूचीबद्ध हुआ था। समयाभाव के कारण उस दिन विस्तृत सुनवाई नहीं हो सकी और मामले को 22 जून 2026 के लिए सूचीबद्ध किया गया था।22 जून की सुनवाई का प्रमुख केंद्र यह था कि क्या मामले में स्वतंत्र जांच एजेंसी, विशेष रूप से सीबीआई जांच अथवा कैग ऑडिट की आवश्यकता है। याचिकाकर्ता का तर्क था कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस मामले में अधिकतम पारदर्शिता आवश्यक है। दूसरी ओर राज्य सरकार और संबंधित पक्षों का रुख यह रहा कि एसआईटी जांच पहले से जारी है और उसके निष्कर्ष सामने आने दिए जाने चाहिए। अंतिम न्यायिक निदेर्शों और आदेशों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह मामला केवल वित्तीय नहीं बल्कि सार्वजनिक विश्वास से भी सटीकता से जुड़ा हुआ है।

साथियों, राजनीतिक स्तरपर भी इस प्रकरण ने तीखी प्रतिक्रियाएं उत्पन्न की हैं। विपक्षी दलों ने स्वतंत्र जांच की मांग उठाई, जबकि सरकार और ट्रस्ट से जुड़े पक्षों ने कहा कि जांच पूरी होने से पहले निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सार्वजनिक रूप से कहा कि सत्य सामने आएगा और लोगों को जांच पूरी होने तक धैर्य रखना चाहिए।इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू यह है कि इसे किसी राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत जवाबदेही के दृष्टिकोण से देखा जाए। यदि किसी स्तर पर भ्रष्टाचार या गबन सिद्ध होता है तो दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं यदि आरोप निराधार सिद्ध होते हैं तो संबंधित संस्थाओं की प्रतिष्ठा की पुनर्स्थापना भी उतनी ही आवश्यक होगी। कानून का शासन यही मांग करता है कि निर्णय तथ्यों, साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर हो, न कि भावनाओं या राजनीतिक ध्रुवीकरण के आधार पर।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय दृष्टि से भी यह मामला महत्वपूर्ण है। विश्व के अनेक देशों में धार्मिक संस्थाओं द्वारा प्राप्त दान और चढ़ावे के प्रबंधन के लिए कड़े ऑडिट,डिजिटल ट्रैकिंग और स्वतंत्र निगरानी तंत्र लागू किए जाते हैं। अयोध्या जैसे वैश्विक धार्मिक केंद्र के लिए भी पारदर्शी वित्तीय व्यवस्था केवल प्रशासनिक आवश्यकता नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता का प्रश्न है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

समान नागरिक संहिता का बाल-अधिकार दृष्टिकोण

भले ही भारत का संविधान प्रत्येक बच्चे को गरिमा, समानता, सुरक्षा और विकास का अधिकार प्रदान करता है, किंतु जब भी हम परिवार, विवाह, तलाक, उत्तराधिकार या सामाजिक परंपराओं की चर्चा करते हैं, तब प्रायः वयस्कों के अधिकारों और दायित्वों पर अधिक विचार होता है। जिसकी वाणी अक्सर सबसे कम सुनाई देती है, वे हैं हमारे बच्चे।

वास्- तव में किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता इस बात से मापी जाती है कि वह अपने बच्चों के अधिकारों और हितों की कितनी प्रभावी रक्षा करती है। आज जब मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में विचार कर रहा है, तब यह आवश्यक है कि इसका प्रारूप वैवाहिक, पारिवारिक और उत्तराधिकार संबंधी कानूनों का एकीकरण करने तक सीमित न रहे, वह बाल-अधिकारों की सुरक्षा का भी सशक्त दस्तावेज बने।

इसी दृष्टि से मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर विचार करते समय सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह होना चाहिए कि इससे हमारे बच्चों का जीवन कितना बेहतर, सुरक्षित और न्यायपूर्ण बनेगा। यूसीसी का मूल दर्शन ‍बालक का सर्वोत्तम हित‍ होना चाहिए, क्योंकि बच्चे किसी भी विवाद, निर्णय या व्यवस्था के पक्षकार नहीं होते, किंतु उसके परिणामों से सबसे अधिक प्रभावित रहते हैं।

जब परंपरा और बचपन आमने-सामने हों

हमारे समाज में अनेक परंपराएं और रीति-रिवाज लंबे समय से प्रचलित रहे हैं। अधिकांश परंपराएं समाज को जोड़ने का कार्य करती हैं, किंतु यदि कोई परंपरा किसी बच्चे के स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा या सम्मान में बाधक बनती है, तो वहां बच्चे के अधिकारों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यूसीसी में यह स्पष्ट होना चाहिए कि विवाह, तलाक, अभिरक्षा, संरक्षकता, भरण-पोषण, दत्तक ग्रहण और उत्तराधिकार से जुड़े प्रत्येक निर्णय में बच्चे का सर्वोत्तम हित सर्वोपरि होगा। कोई भी धार्मिक प्रथा, सामाजिक मान्यता या व्यक्तिगत कानून बच्चे के अधिकारों से ऊपर नहीं हो सकता।

बाल विवाह : एक बच्ची के सपनों पर सबसे बड़ा प्रहार

एक कम उम्र की बच्ची, जिसके हाथों में किताबें होनी चाहिए, वह विवाह और मातृत्व की जिम्मेदारियों के बोझ तले दब जाती है। एक किशोर, जिसे शिक्षा और कौशल के अवसर मिलने चाहिए, वह समय से पहले वयस्क जीवन की चुनौतियों में उलझ जाता है, इसलिए यूसीसी में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 की सर्वोच्चता को पूर्ण स्पष्टता के साथ स्थापित किया जाना जरूरी है। कोई भी धर्म, मत, पंथ, समुदाय या परंपरा बाल विवाह को वैधता न दे सके। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि बाल विवाह से जन्मे बच्चों को किसी प्रकार की सामाजिक या कानूनी हानि न हो। बच्चों को उनके माता-पिता के निर्णयों की सजा नहीं मिलनी चाहिए।

पति-पत्नी का संबंध टूटता है, पर उस टूटन की सबसे गहरी आवाज अक्सर बच्चे के मन में सुनाई देती है। अनेक बच्चे माता-पिता के विवादों के बीच असुरक्षा, भय, अकेलेपन और मानसिक तनाव का सामना करते हैं। कई बार वे स्वयं को ही इस टूटन का कारण मानने लगते हैं, इसीलिए यूसीसी में यह व्यवस्था होनी चाहिए कि जहां भी तलाक या वैवाहिक विवाद का मामला हो और बच्चे उससे जुड़े हों, वहां उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, निवास और भावनात्मक सुरक्षा की स्पष्ट योजना प्रस्तुत की जाए। न्यायालय आवश्यकता पड़ने पर ‍चाइल्ड वेलफेयर इम्पैक्ट असेसमेंट‍ कर सके, ताकि यह समझा जा सके कि प्रस्तावित निर्णय का बच्चे पर क्या प्रभाव पड़ेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी परिस्थिति में बच्चे को माता-पिता के संघर्ष का हथियार न बनने दिया जाए।

संयुक्त अभिभावकत्व मिले

एक बच्चा माता या पिता में से किसी एक का नहीं होता। वह दोनों के स्नेह, मार्गदर्शन और संरक्षण का अधिकारी है, इसलिए तलाक के बाद भी बच्चे का दोनों अभिभावकों से संपर्क और भावनात्मक जुड़ाव बना रहना चाहिए। अभिरक्षा का निर्णय कानूनी अधिकारों के आधार तक सीमित न होकर बच्चे की वास्तविक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जाए। पर्याप्त आयु और समझ रखने वाले बच्चों की राय को भी महत्व दिया जाना चाहिए। आखिरकार, उनके जीवन से जुड़े निर्णयों में उनकी आवाज क्यों न सुनी जाए?

हर बच्चा समान है, उसकी जन्म-परिस्थिति नहीं

एक सभ्य समाज बच्चों को उनके जन्म की परिस्थितियों से न पहचानते हुए उनके व्यक्तित्व और अधिकारों से पहचानता है। चाहे बच्चा विवाह से जन्मा हो, लिव-इन रिलेशनशिप से, दत्तक ग्रहण के माध्यम से परिवार में आया हो या किसी पूर्व वैध बहुविवाह से उत्पन्न हुआ हो, उसके अधिकार समान होने चाहिए। उत्तराधिकार, शिक्षा, पहचान, भरण-पोषण और संपत्ति के मामलों में किसी भी प्रकार का भेदभाव बच्चों के साथ अन्याय होगा।विशेष रूप से यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि पुत्र और पुत्री को समान उत्तराधिकार अधिकार प्राप्त हों। संयुक्त परिवार की सहदायिकी संपत्ति में पुत्री को जन्म से वही अधिकार और दायित्व प्राप्त हों जो पुत्र को होते हैं। यह सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम होगा।

डॉ. निवेदिता शर्मा

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7552

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7551 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

दैनिक पंचांग

24 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

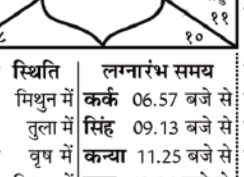

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	तुला में
मंगल	वृष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	06.57 बजे से
सिंह	09.13 बजे से
कन्या	11.25 बजे से
तुला	13.36 बजे से
वृश्चिक	15.51 ब.से
धनु	18.07 बजे से
मकर	20.12 बजे से
कुंभ	21.58 बजे से
मीन	23.31 बजे से
मेष	01.02 बजे से
वृष	02.42 बजे से
मिथुन	04.40 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 175 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 18.13 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 13.59 बजे को समाप्त।
योग परिघ 10.23 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 05.23 बजे तदनन्तर गर 18.13 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 8.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 25'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872750
जूलियन दिन 2461215.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना मोहर्रम **तारीख** 08
विशेष रानी दुर्गावती बलिदान दिवस, महर्षि गालव अवतरण दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

हर शहर में सुलगती लापरवाही: क्या अगला लखनऊ आपका होगा?

जब कागजों की मंजूरियाँ और बंद लिफाफे सच को ढकने लगते हैं, तब आग केवल इमारतों तक सीमित नहीं रहती, वह व्यवस्था की आत्मा को भी झुलसा देती है। लखनऊ के अलीगंज की घटना किसी एक दिन की दुर्घटना नहीं, बल्कि उस लंबी लापरवाही का विस्फोट थी जिसमें सुरक्षा को हमेशा बाद में टाल दिया गया। इसी पृष्ठभूमि में एक तीखा सवाल उभरता है—जो अब फुसफुसाहट नहीं, बल्कि कठोर सामाजिक आरोप बन चुका है। यह सिर्फ एक घटना का वर्णन नहीं, बल्कि उस ढांचे का दर्पण है जहाँ शिक्षा धीरे-धीरे जोखिम और लाभ के बीच झूलता हुआ बाजार बन गई है।

22 जून 2026 की दोपहर ने लखनऊ के अलीगंज की एक साधारण सी इमारत को मौत के मंजर में बदल दिया। नीचे पेट शॉप और क्लिनिक की रोजमर्रा की हलचल थी, जबकि ऊपर कोचिंग सेंटर में भविष्य संवारने के सपने बुने जा रहे थे। लेकिन कुछ ही पलों में वह इमारत धुएं और आग के भयानक जाल में कैद हो गई। छात्र जान बचाने के लिए भागे, खिड़कियों तक पहुंचे, कुछ ने मजबूरी में छलांग लगाई, पर अधिकांश घने धुएं की दीवार में फंस गए। चीखें धीरे-धीरे खामोशी में घुल गईं। कम से कम 15 युवा जीवन, जो अभी सपनों को पूरी तरह समझ भी नहीं पाए थे, ‍लखनऊ आग में 15 जवान सपनों की राख‍ बनकर हमेशा के लिए मिट गए।

यह हादसा किसी अचानक तकनीकी खराबी का नतीजा भर नहीं था, बल्कि उस व्यवस्था की उपज था जिसने वर्षों तक चेतावनियों को अनसुना किया। जिस भवन में कोचिंग संचालित हो रही थी, उसे 2016 में अवैध निर्माण पर एलडीए द्वारा ध्वस्तीकरण का नोटिस जारी हुआ था, जिसे दो महीने बाद वापस ले लिया गया था। फायर एनओसी मौजूद नहीं था, और आपातकालीन निकास या तो बंद पड़े थे या केवल औपचारिकता बनकर रह गए थे। खिड़कियों पर लगी लोहे की जालियाँ/ग्रिल्स बाहर निकलने में बाधक बनीं। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार एसी में संभावित शॉर्ट सर्किट सिर्फ एक चिंगारी थी, असली आग तो उस लापरवाही में थी जो वर्षों से सुलग रही थी। नीचे व्यापार की रफ्तार जारी थी और ऊपर जीवन दम तोड़ रहा था।

जैसे-जैसे हादसे की परतें खुलती गईं, वही पुराना और असहज करने वाला सवाल फिर सामने खड़ा हो गया—आखिर यह सब हुआ कैसे? अनुमति किसने दी, निरीक्षण किसने किया, और किसने जानबूझकर नजरें फेर लीं? यह केवल प्रशासनिक लापरवाही भर नहीं दिखती, बल्कि एक ऐसे तंत्र की ओर इशारा करती है जहाँ नियमों की कीमत तय होती है और सुरक्षा सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाती है। यह पैटर्न नया नहीं है। कोटा की आत्महत्याएँ, दिल्ली के राजेंद्र नगर की बेसमेंट बाढ़ और अब लखनऊ की यह अग्निकांड—हर जगह कहानी एक ही जैसी दिखती है: भीड़ बढ़ाओ, मुनाफा कमाओ और सुरक्षा को बाद के लिए छोड़ दो।

आज के दौर में छात्र केवल सीखने वाला नहीं रह गया, बल्कि एक चलती-फिरती आर्थिक इकाई में बदल चुका है। माता-पिता कर्ज के बोझ तले फीस चुकाते हैं, अपनी उम्मीदें गिरवी रखकर बच्चों का भविष्य ‍खरीदने‍ की कोशिश करते हैं। कोचिंग उद्योग इस मानसिक दबाव को बखूबी समझता है, इसलिए उसकी संरचना भी उसी अनुरूप गढ़ी जाती है—ऊंची दीवारें, नियंत्रित प्रवेश और अक्सर बंद पड़े आपात निकास। यही वह व्यवस्था है जिसने शिक्षा को धीरे-धीरे ऐसे तंत्र में बदल दिया है, जहाँ जीवन से अधिक महत्व उपस्थिति और फीस को मिलने लगता है।

हादसे के बाद प्रशासनिक प्रतिक्रिया भी उसी पुराने, परिचित ढर्रे पर आगे बढ़ी। जांच के आदेश जारी हुए, शोक संदेश दिए गए, मुआवजे की घोषणाएँ हुईं, कुछ गिरफ्तारियाँ और निलंबन भी हुए—जैसा हर बार होता आया है। मुख्यमंत्री स्तर से कार्रवाई के निर्देश आए, प्रधानमंत्री ने संवेदना व्यक्त की, लेकिन यह संवेदना भी कुछ ही समय में औपचारिकता बनकर रह गई। असली प्रश्न फिर भी अनुत्तरित रहे—क्या यह अंतिम हादसा होगा, या अगली त्रासदी की नींव पहले से ही रखी जा रही है? क्योंकि हर दुर्घटना के बाद यही चक्र दोहराया जाता है और समय के साथ समाज उसे भुला देने की आदत डाल लेता है।

अब प्रश्न व्यवस्था की कार्यप्रणाली नहीं, उसकी नींव की ईमानदारी पर है। कोचिंग सेंटरों को ‍शिक्षा का मंदिर‍ नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से व्यावसायिक इकाई मानकर सख्त नियंत्रण में लाना होगा। हर भवन का फायर ऑडिट और संरचनात्मक सुरक्षा प्रमाणपत्र अनिवार्य होना चाहिए। बेसमेंट में कक्षाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। खिड़कियों पर लगी ग्रिलें रोकने का माध्यम बनने पर दंडनीय अपराध हों, और किसी भी मौत की स्थिति में प्रबंधन पर सीधे आपराधिक हत्या का मुकदमा चले। साथ ही एक स्वतंत्र ‍नेशनल कोचिंग सेफ्टी अथॉरिटी‍ बनाई जाए, जो राजनीतिक दबाव से मुक्त हो।

सुधार की सीमा केवल कोचिंग संस्थानों तक नहीं हो सकती। समस्या उस व्यापक शिक्षा ढांचे में छिपी है, जो छात्रों पर एकतरफा दबाव डालकर सफलता का सीमित रास्ता दिखाता है। जब सफलता का एकमात्र मानक प्रतियोगी परीक्षाएँ बन जाती हैं, तो कोचिंग उद्योग स्वतः ही अनियंत्रित बाजार में बदल जाता है। इसलिए स्कूल‍कॉलेज स्तर पर सुधार, परीक्षा प्रणाली का संतुलन और मानसिक दबाव में कमी केवल शैक्षणिक सुधार नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले जरूरी कदम हैं।

अगर अब भी यह चेतावनी अनसुनी रही, तो हर शहर किसी न किसी दिन लखनऊ की ही पुनरावृत्ति बन जाएगा। हर इमारत किसी अंधेरी रात में ‍लखनऊ आग में 15 जवान सपनों की राख‍ जैसी दर्दनाक कहानी दर्ज करती रहेगी। हम तब भी सिर्फ खबरें पढ़ेंगे, जांचें देखेंगे और अगले हादसे के आने का इंतजार करते रहेंगे। लेकिन उस समय शायद सवाल पूछने वाला कोई नहीं बचेगा—क्योंकि तब तक सपने, उम्मीदें और जीवन, सब कुछ पहले ही राख में बदल चुका होगा, और व्यवस्था केवल पछतावे के पन्ने पलटती रह जाएगी।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार पूर्व वित्त मंत्री विष्णु पौडेल काठमांडू लाए गए, अदालत में पेश

काठमांडू। सुर्खेत जिले से सोमवार को गिरफ्तार किए गए पूर्व वित्त मंत्री विष्णु पौडेल को आज नेपालगंज होते हुए काठमांडू लाया गया है, जहां उन्हें अदालत में पेश किया गया है। पुलिस के अनुसार पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार में उपप्रधानमंत्री और उनकी पार्टी के उपाध्यक्ष समेत रहे पौडेल को सोमवार को सुर्खेत में उस वक्त गिरफ्तार किया गया था, जब वो पार्टी के एक कार्यक्रम में शामिल हो रहे थे। जिला पुलिस एसपी ने उन्हें मंच से गिरफ्तार गिरफ्तार किया था। उन्हें मंगलवार दोपहर काठमांडू लाकर सम्पत्ति शुद्धीकरण विभाग में पेश किया गया। सम्पत्ति शुद्धीकरण अनुसन्धान विभाग के सूचना अधिकारी उत्तम घिमिरे ने बताया कि अब पौडेल को विशेष अदालत में पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए पौडेल की पुलिस रिमांड बढ़ाने की प्रक्रिया के लिए विशेष अदालत में पेश किया गया है। विष्णु पौडेल को मनी लॉन्ड्रिंग (सम्पत्ति शुद्धीकरण) के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी से पहले सोमवार को जांच टीम ने काठमांडू स्थित उनके निवास पर छापेमारी भी की थी। इस वक्त न्यायिक हिरासत में रहे व्यावसायी दीपक भट्ट और सुलभ अग्रवाल के साथ अस्वाभाविक लेनदेन और शेयर कारोबार में संलग्न होने के बाद उन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

आचार संहिता उल्लंघन करने वाले मीडिया और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को नेपाल प्रेस काउन्सिल की चेतावनी

काठमांडू। नेपाल प्रेस काउन्सिल ने पत्रकार आचार संहिता के विपरीत गतिविधियां और सामग्री प्रसारित करने वाले मीडिया संस्थानों, पत्रकारों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को सख्त चेतावनी दी है। प्रेस काउन्सिल ने मंगलवार को सभी से आचार संहिता की सीमा में रहकर जिम्मेदारी के साथ सामग्री प्रसारित करने और करवाने की अपील की है।काउन्सिल ने कहा कि हाल के दिनों में कुछ मीडिया संस्थानों, पत्रकारों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की पेशागत आचरण और मर्यादा के विपरीत गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। काउन्सिल के अनुसार कई ऑनलाइन

समाचार पोर्टल पंजीकरण तो करा रहे हैं, लेकिन समाचार सामग्री प्रकाशित करने के बजाय यूट्यूब चैनल, फेसबुक पेज और रील्स के माध्यम से केवल व्यूज और मोनेटाइजेशन पर केंद्रित तथ्यहीन, झगड़ालू और गाली-गलौज वाली सामग्री प्रसारित कर रहे हैं। काउन्सिल ने यह भी कहा कि बिना अनुमति और पत्रकार परिचयपत्र के विभिन्न सरकारी कार्यालयों, शैक्षिक संस्थानों और कार्यक्रमों में प्रवेश कर अमर्यादित व्यवहार करने, दुर्व्यवहार और विवाद पैदा करने की घटनाएं बढ़ रही हैं। इतना ही नहीं, हाथापाई और विवाद के वीडियो सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करने की प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ रही है। प्रेस काउन्सिल नेपाल का कहना है कि इस तरह की गैरजिम्मेदार गतिविधियां समग्र पत्रकारिता क्षेत्र की विश्वसनीयता, गरिमा और स्थापित मर्यादा पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं।

कांग्रेस ने भूमि खरीद को लेकर मोहन यादव व उनके परिवार पर सवाल उठाए

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उनके परिवार द्वारा उज्जैन एवं आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भूमि खरीद को लेकर एक मीडिया रिपोर्ट में किए गए दावों को लेकर हमला किया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि इस सरकार में अनियमितताओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह मामला केवल भूमि खरीद तक सीमित नहीं है, बल्कि सत्ता और वित्तीय लाभ के बीच गहरे संबंधों को दर्शाता है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ खबरें सामने आने के पीछे कथित तौर पर आंतरिक राजनीतिक खींचतान है। उन्होंने कहा कि यह मामला सत्ता और लाभ के बंटवारे से जुड़ा है। कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने एक्स पर कहा कि उज्जैन में संगठन सृजन अभियान के दौरान स्थानीय स्तर पर जमीन घोटालों की चर्चा आम थी। साल 2028 के सिंहस्थ के लिए किए जा रहे 7,379 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के संदर्भ में यह मामला और गंभीर हो जाता है। अखबार की पड़ताल में सामने आया है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद मोहन यादव और उनके परिवार ने बड़ी मात्रा में भूमि खरीदी है, जिससे उज्जैन में उनके पास सैकड़ों प्लॉट और सैकड़ों एकड़ जमीन हो गई है। उल्लेखनीय है कि अखबार ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि मुख्यमंत्री की फैमिली ने दिसंबर 2023 में शपथ लेने के बाद से दिसंबर 2025 तक कम से कम 137 प्लॉट खरीदे हैं, जो लगभग 168 एकड़ भूमि है। इसके अलावा 2021 से 2023 के बीच 57 प्लॉट खरीदे गए थे, जो 86 एकड़ भूमि है। सरकारी रिकॉर्ड में यह ज़मीनें मुख्यमंत्री की पत्नी सीमा यादव, बेटे वैभव यादव, बहू शालिनी यादव, बड़े भाई नारायण यादव, उनके परिवारजनों और चचेरे भाइयों के नाम पर दर्ज हैं। अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया कि इनमें से ज्यादातर प्लॉट उज्जैन मास्टर प्लान 2035 के तहत उन इलाकों में हैं, जिन्हें खेती वाली ज़मीन से रिहायशी या व्यावसायिक जमीन में बदला जा रहा है, या फिर नई सड़क परियोजनाओं के पास हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मोहन यादव के सीएम बनने के बाद राज्य सरकार ने इन्हीं इलाकों में नए रोड लिंक और हाईवे बनाने की घोषणा की, जिससे ज़मीन की कीमतें बढ़ गईं और शुरुआती निवेश करने वालों को भारी लाभ हुआ।

दिल्ली में मौसम ने बदली करवट, गर्मी से मिली राहत

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार तेज हवाओं के साथ बारिश होने से यहां के लोगों को तीखी धूप और गर्मी से राहत मिली। क्षेत्र में अगले दो दिनों- बुधवार-गुरुवार को आंशिक रूप से बादल छाये रहेंगे और शुक्रवार को फिर मौसम का मिजाज बदलेगा और गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार बुधवार, 24 जून को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39-41 डिग्री सेल्सियस और 26-28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 25 जून को भी यही स्थिति रहने के आसार हैं। 26 जून को मौसम का मिजाज फिर बदलेगा और तेज हवाओं तथा गरज के साथ हल्की वर्षा होने का अनुमान है। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39-41 डिग्री सेल्सियस और 27- 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून आज महाराष्ट्र (मुंबई सहित), तेलंगाना और ओडिशा के बाकी हिस्सों और छत्तीसगढ़, झारखंड व बिहार के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है। अगले 2-3 दिनों में गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में, 3-4 दिनों के दौरान झारखंड, बिहार के अन्य हिस्सों और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं। इस सप्ताह पश्चिमी तट, पूर्वोत्तर भारत और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल व सिक्किम में भारी बारिश (7-20 सेमी) होने की संभावना है। इसी बीच कुछ क्षेत्र लू की चपेट में रहेंगे। इनमें पूर्वी उत्तर प्रदेश, विदर्भ क्षेत्र, दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश और बिहार शामिल हैं। आईएमडी के मुताबिक 24-26 जून को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में, 24 तथा 29 जून को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, 24-28 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश में तथा 24-29 जून के दौरान पूर्वी और पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है। इस दौरान मध्य भारत के छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश और विदर्भ में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने का अनुमान है। पश्चिम भारत के कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में अगले छह दिनों के दौरान व्यापक बारिश होने के आसार हैं। वहीं, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में अगले छह दिनों के दौरान वर्षा होने से मौसम सुहावना रहेगा। इन्हीं में से कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा होने और तूफानी हवाएं चलने के आसार हैं। इन राज्यों के कुछ और हिस्सों लू की चपेट में रहने के आसार हैं। इनमें से कुछ राज्यों में से बिहार और दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश शामिल हैं, जहां लू का प्रकोप जारी रहेगा। वहीं, झारखंड के कुछ इलाकों में गर्म रात की स्थिति बने रहने की बहुत संभावना है।

अमोनिया गैस रिसाव त्रासदीः तिरुवल्लूर हादसे में मृतकों की संख्या नौ पहुंची

एजेंसी, नई तिरुवल्लूर

67 श्रमिक अब भी अस्पतालों में भर्ती

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में स्थित एक समुद्री खाद्य प्रसंस्करण (सीफूड प्रोसेसिंग) फैक्ट्री में हुए अमोनिया गैस रिसाव हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। मंगलवार को उपचार के दौरान दो और श्रमिकों की मौत हो जाने के बाद यह आंकड़ा नौ तक पहुंच गया। वहीं, 67 लोग अब भी विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं और उनका उपचार जारी है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, इस दुर्घटना से कुल 77 लोग प्रभावित हुए हैं। प्रभावितों में असम के 20, ओडिशा के 29, झारखंड के आठ तथा तमिलनाडु के पांच श्रमिकों के अलावा अन्य श्रमिक शामिल हैं। अधिकांश पीड़ित प्रवासी मजदूर हैं, जो फैक्ट्री में कार्यरत थे और परिसर के आसपास ही निवास कर रहे थे।

अस्पतालों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, चेन्नई स्थित वेल्स अस्पताल में भर्ती 33 मरीजों में से तीन की उपचार के दौरान मृत्यु हो चुकी है, जबकि दो मरीज स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। वर्तमान में वहां 28 लोगों का इलाज चल रहा है। तिरुवल्लूर के वेंकटेश्वरा अस्पताल में भर्ती 19 मरीजों में से एक व्यक्ति की मौत हुई है और 18 मरीज उपचाराधीन हैं। इसी प्रकार चेन्नई के राजीव गांधी सरकारी अस्पताल में भर्ती 13 मरीजों में से दो लोगों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि 11 मरीजों का उपचार जारी है। स्टैनली सरकारी अस्पताल में भर्ती 12 मरीजों में से दो लोगों ने दम तोड़ दिया है और शेष 10 मरीज चिकित्सकीय निगरानी में हैं। चिकित्सकों के अनुसार, अमोनिया गैस के संपर्क में आने से प्रभावित मरीजों में सांस लेने में कठिनाई, आंखों और श्वसन तंत्र में गंभीर जलन, लगातार खांसी तथा फेफड़ों से संबंधित जटिलताएं देखी गई हैं। कई गंभीर मरीजों को आईसीयू में भर्ती कर विशेष निगरानी में रखा गया है। दुर्घटना में अब तक जिन लोगों की मौत हुई है उनमें शिबानी, जुमानी जुआंग, गीता जुआंगा, पूर्णिमा जुआंगा, संबापति जुआंगा और प्रभावती जुआंगा शामिल हैं। ये सभी ओडिशा के निवासी बताए गए हैं। मृतकों में असम निवासी चिट्टा हस्ता भी शामिल है। इनके अतिरिक्त एक अज्ञात पुरुष और एक अज्ञात महिला भी शामिल हैं। राज्य सरकार ने हादसे की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। प्रारंभिक जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि गैस रिसाव किन परिस्थितियों में हुआ और क्या सुरक्षा मानकों के पालन में किसी प्रकार की लापरवाही बरती गई थी। प्रशासन ने फैक्ट्री परिसर को निगरानी में लेकर तकनीकी विशेषज्ञों की सहायता से विस्तृत जांच शुरू कर दी है। इस बीच प्रभावित श्रमिकों के परिजनों में शोक और चिंता का माहौल है। विभिन्न राज्यों से आए मजदूरों के परिवार लगातार अस्पतालों और प्रशासनिक अधिकारियों के संपर्क में हैं।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने हरियाणा के चर्चित आईडीएफसी वित्तीय गड़बड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पंकज अग्रवाल को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित अधिकारी को आज (मंगलवार) अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। वह हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद (एचएसएसपीपी) और हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एचएसएएमबी) में तत्कालीन प्रधान सचिव के पद पर कार्यरत थे।

सीबीआई ने बताया यह मामला आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की चंडीगढ़ स्थित सेक्टर 32 शाखा में बनाए गए खातों से सरकारी कोष के दुरुपयोग से जुड़ा है। जांच में सामने आया कि हरियाणा सरकार के वित्त विभाग के मौजूदा दिशा-निर्देशों का उल्लंघन कर इन विभागों के बैंक खाते खोले गए थे और बाद में सीमा से अधिक धनराशि इनमें स्थानांतरित की गई। ये खाते पंकज अग्रवाल के कार्यकाल के दौरान खोले गए थे। इन खातों में धोखाधड़ीपूर्ण लेनदेन के माध्यम से धन की हेराफेरी की गई, जिससे सरकारी खजाने को 60.54 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ। सीबीआई ने जांच के दौरान आरोपी अधिकारी के खिलाफ पुख्ता सबूत जुटाए हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के अनुरोध पर सीबीआई ने इस मामले की जांच हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से अपने हाथ में ली थी। इन दोनों विभागों में हुई धोखाधड़ी में करीब 60.54 करोड़ रुपये की हेराफेरी शामिल है, जो सेक्टर 32 स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक शाखा में हुए एक बड़े घोटाले का हिस्सा है। इस महाघोटाले में हरियाणा सरकार के आठ विभागों के 504 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि की हेराफेरी की गई और उसे शेल कंपनियों (फर्जी कंपनियों) में भेज दिया गया।

अडाणी मुंद्रा एयरपोर्ट पर कमर्शियल उड़ान शुरू, कच्छ को मुंबई और गोवा से जोड़ा

एजेंसी, मुंद्रा (गुजरात)

अडाणी मुंद्रा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मंगलवार को पहली कमर्शियल फ्लाइट की सफल लैंडिंग के साथ नियमित उड़ान सेवा की शुरुआत हो गई। गोवा से स्टार इंडिया की फ्लाइट के लैंड करने पर वाटर कैनन सलामी के साथ भव्य स्वागत किया गया। अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) के डायरेक्टर जीत अडाणी ने मुंद्रा एयरपोर्ट के नए बने टर्मिनल का उद्घाटन भी किया।

एएएचएल के डायरेक्टर जीत अडाणी ने मुंद्रा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानों की शुरुआत होने पर खुशी जताते हुए इसे एक ऐतिहासिक दिन बताया है। उन्होंने कहा कि इस हवाई सेवा की शुरुआत होने से मुंद्रा के लोकल बिजनेस और टूरिज्म दोनों को एक बहुत बड़ा बूस्ट मिलेगा। जीत अडाणी ने बताया कि पहले मुंद्रा तक पहुंचने के लिए लोगों को एक या दो जगह रुककर एक लंबा सफर तय करना पड़ता था, लेकिन अब इस डायरेक्ट फ्लाइट सर्विस की वजह से यात्रियों का वह लंबा समय बहुत कम हो गया।

जीत अडाणी ने कहा कि अडाणी मुंद्रा एयरपोर्ट से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू होने के बाद अडाणी मुंद्रा एयरपोर्ट एक पूरी तरह से इंटीग्रेटेड, मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स और बिजनेस हब के तौर पर उड़ान भरने को तैयार है। उन्होंने कहा कि टर्मिनल का निर्माण रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया। स्टार एयर और उड़ान योजना के सहयोग से नई कनेक्टिविटी की शुरुआत हुई है। इससे मुंद्रा की देश के अन्य हिस्सों से हवाई संपर्क क्षमता बढ़ेगी।

मप्र में 90 फीसद से अधिक नागरिक यूसीसी के पक्ष में, अल्पसंख्यक समुदाय का भी बड़ी संख्या में समर्थन

एजेंसी, भोपाल

♦ यूसीसी पर सभी जिलों में हो चुकी हैं बैठकें, नागरिकों के 9 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हुए

मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए सभी जिलों में जन परामर्श बैठकें हो चुकी हैं। नागरिकों के 9 लाख से अधिक सुझाव प्राप्त हो चुके हैं और 90 प्रतिशत से भी अधिक नागरिक यूसीसी के पक्ष में हैं। अल्पसंख्यक समुदाय का भी बड़ी संख्या में समर्थन प्राप्त हुआ है। यह जानकारी मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में दी। उन्होंने कहा कि यूसीसी के लिए सभी जिलों में जन परामर्श बैठकें शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। राज्य स्तरीय परामर्श 22 जून को भोपाल में हुई। इसमें सभी आयोगों, विभागों, राजनैतिक दलों और धर्मगुरुओं से पृथक-पृथक बैठकें आयोजित कर मत लिया गया। नागरिकों से प्राप्त सुझाव के आधार पर विधेयक के प्रारूप पर समिति द्वारा विधि विभाग के साथ साझा रूप से कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 30 जून तक सुझाव लेने की प्रक्रिया पूरी होगी और इसके बाद यूसीसी का प्रारूप 5 जुलाई तक तैयार कर लिया जाएगा। इसके बाद आगामी जुलाई में शुरू हो रहे मानसून सत्र में इसे विधानसभा में विधेयक के रूप में पेश किया जाएगा।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की देश-विदेश में विशेष पहचानः मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रसिद्ध वन्य जीव पर्यटन स्थल बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व को "इंडिया टुडे टूरिज्म सर्वे एंड अवार्ड-2026" में "एडिटर्स चॉईस अवार्ड- बेस्ट वाइल्ड लाइफ डेस्टिनेशन" श्रेणी में पुरस्कृत किया गया है। गोवा में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रदान किया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, देश-विदेश के पर्यटकों के बीच अपनी समृद्ध जैव-विविधता, बाघों की अच्छी संख्या, प्राकृतिक सौंदर्य और प्रभावी संरक्षण प्रबंधन के लिए विशेष पहचान रखता है। यह अवार्ड प्रदेश सरकार की जैव विविधता के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों का ही परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने किसान सम्मान निधि के लिए माना आभार प्रधानमंत्री का आभारः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में मंत्रियों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के प्रदेश भ्रमण संबंधी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मु ने प्रदेश की उपलब्धियों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने बताया कि 20 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि अंतरित की गई। प्रदेश के 81 लाख से अधिक किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के रूप में 1640 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं।

छग कैबिनेट : कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति 2026 के प्रारूप सहित लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णय

एजेंसी, रायपुर

♦ वीबी-जी राम जी योजना छत्तीसगढ़ के प्रारूप का अनुमोदन, अटल आजीविका समृद्धि हाट योजना प्रारंभ करने का फैसला

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंगलवार को यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति 2026 के प्रारूप और अटल आजीविका समृद्धि हाट योजना सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वप्रथम मंत्रिपरिषद ने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा देने ''वीबी-जी राम जी योजना छत्तीसगढ़'' के प्रारूप का अनुमोदन किया। इस योजना के तहत पात्र ग्रामीण परिवारों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 125 दिवस रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान की जाएगी। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य बजट में 4,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

बैठक में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने ''अटल आजीविका समृद्धि हाट'' योजना प्रारंभ करने का फैसला लिया गया है। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सृजन केंद्र (हथकरघा, बुनाई-सिलाई, हस्तशिल्प आदि), प्रसंस्करण इकाइयां (दलहन, तिलहन, राइस मिल, डेयरी आदि), सेवा केंद्र (कोल्ड स्टोरेज, सोलर ड्रायर, कृषि उपकरण मरम्मत, अटल डिजिटल केंद्र आदि), विपणन केंद्र तथा आपूर्ति केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इससे ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे तथा स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध होगा। योजना के क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को नोडल एजेंसी तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है।

इसके अलावा मंत्रिपरिषद ने "छत्तीसगढ़ कम्प्रेस्ड बायोगैस नीति (सीजी-सीबीजी पॉलिसी), 2026" के प्रारूप का भी अनुमोदन किया है। इस नीति के माध्यम से राज्य में उपलब्ध कृषि अवशेष, नगरीय ठोस अपशिष्ट, पशुधन अपशिष्ट एवं अन्य जैविक संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन कर उन्हें स्वच्छ गैसीय ईंधन कम्प्रेस्ड बायोगैस में परिवर्तित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के अनुसार, राज्य में लगभग 5 लाख टन प्रतिवर्ष सीबीजी उत्पादन की संभावना है। इस नीति के क्रियान्वयन हेतु छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण को राज्य नोडल एजेंसी तथा ऊर्जा विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश और प्रशासनिक आदेश जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है।

सीयूईटी-यूजी 2026 परिणाम घोषित, एक अभ्यर्थी ने चार विषयों में हासिल किया 100 पर्सेंटाइल

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी-यूजी) 2026 का परिणाम घोषित कर दिया। परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी अपना स्कोरकार्ड आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। इस वर्ष 15.68 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जबकि 11.64 लाख से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए।

एनटीए द्वारा जारी परिणाम के अनुसार, इस वर्ष के परिणाम में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की गई हैं। एक अभ्यर्थी ने अपने चुने गए पांच में से चार विषयों में 100 पर्सेंटाइल प्राप्त किया। इसके अलावा 22 अभ्यर्थियों ने तीन विषयों में, 180 अभ्यर्थियों ने दो विषयों में और 3,214 अभ्यर्थियों ने एक विषय में 100 पर्सेंटाइल हासिल किया। पांच विषयों के कुल एनटीए स्कोर के आधार पर तैयार शीर्ष-20 अभ्यर्थियों की सूची में आवेदन संख्या 263510269243 पहले स्थान पर रही। इस अभ्यर्थी ने 1232.19 का एग्रीगेट एनटीए स्कोर प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर आवेदन संख्या 263510280526 (1230.82) और तीसरे स्थान पर आवेदन संख्या 263510250636 (1207.21) रही।

लैंगिक श्रेणी के आधार पर जारी सूची में पुरुष वर्ग में आवेदन संख्या 263510280526 ने 1230.82 अंक के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि महिला वर्ग में आवेदन संख्या 263510269243 1232.19 अंक के साथ पहले स्थान पर रही।

अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग में पुरुष अभ्यर्थियों में आवेदन संख्या 263510375529 (1142.98) और महिला अभ्यर्थियों में आवेदन संख्या 263510669272 (1171.46) शीर्ष पर रहीं। वहीं अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग में पुरुष अभ्यर्थियों में आवेदन संख्या 263510341112 (1079.96) तथा महिला अभ्यर्थियों में आवेदन संख्या 263510509426 (1160.41) ने सर्वोच्च एग्रीगेट स्कोर हासिल किया।

हिंदुस्तान कोका कोला समूह मध्य प्रदेश में करेगा 300 करोड़ रुपये का निवेश

एजेंसी, भोपाल।

♦ मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिले हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेमंत रुपानी

हिंदुस्तान कोका कोला समूह मध्य प्रदेश में 300 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रहा है। यह जानकारी मंगलवार को कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेमंत रुपानी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात के दौरान दी। दरअसल, हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेमंत रुपानी ने आज भोपाल प्रवास के दौरान मंत्रालय पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार की उद्योग मित्र नीतियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि हिंदुस्तान कोका कोला समूह मध्य प्रदेश में 300 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है। इससे रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रूपानी को प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण को प्रोत्साहित करने के लिए संचालित योजनाओं गतिविधियों की जानकारी दी। इस दौरान हिंदुस्तान कोका-कोला के नेशनल हेड विवेक झा, राज्य प्रमुख अश्विनी यीलेने तथा औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है मध्य प्रदेश के कि राजगढ़ जिले के पीलूखेड़ी स्थित इंडस्ट्रियल एरिया में हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस की इकाई पहले से ही संचालित है।

राजमार्ग प्राधिकरण ने परिवहन क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने को एनसीएईआर के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने परिवहन क्षेत्र में साक्ष्य आधारित नीतिगत निर्णयों को मजबूत करने और उच्च गुणवत्ता वाले शोध को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत एनसीएईआर में एनएचएआई सेंटर फॉर इकोनॉमिक्स ऑफ ट्रांसपोर्टेशन, मोबिलिटी एंड लॉजिस्टिक्स की स्थापना होगी, जो देश का पहला स्थायी और स्वतंत्र शोध केंद्र होगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि एमओयू पर हस्ताक्षर एनएचएआई मुख्यालय में अध्यक्ष संतोष कुमार यादव, एनसीएईआर महानिदेशक और दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में किए गए। एनएचएआई अध्यक्ष ने कहा कि यह साझेदारी परिवहन क्षेत्र में शोध और नीति विश्लेषण का मंच तैयार करेगी, जिससे योजना, निवेश और परिसंपत्ति प्रबंधन के फैसले और मजबूत होंगे।

यह केंद्र राष्ट्रीय राजमार्ग अर्थशास्त्र, माल परिवहन, मोडल इंटीग्रेशन, टोल नीति, परिसंपत्ति मुद्रीकरण, सड़क सुरक्षा और तकनीकी नवाचार जैसे विषयों पर शोध करेगा। इसके निष्कर्ष मंत्रालय, एनएचएआई और अन्य सरकारी एजेंसियों को दक्षता और स्थिरता बढ़ाने वाली नीतियां बनाने में मदद करेंगे।

केंद्र ज्ञान मंच के रूप में भी काम करेगा और रिपोर्ट, कार्यपत्र, परामर्श और कार्यशालाओं के जरिए निष्कर्ष साझा करेगा। एनएचएआई ने इस संस्थान को दस वर्षों तक सहयोग देने का संकल्प लिया है। सलाहकार समिति और स्टीयरिंग समिति शोध प्राथमिकताओं और नीतिगत आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यों की निगरानी करेगी। यह पहल परिवहन अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क की आर्थिक समझ को गहरा कर अधिक प्रभावी नीतिगत निर्णयों और विश्वस्तरीय राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के विकास में सहायक होगी।

फिल्मों के बजट का बड़ा हिस्सा स्टार्स पर खर्च होता है

पंजाबी एक्टर गिप्पी ग्रेवाल की फिल्म 'कैरी ऑन जट्टा 4' इस महीने रिलीज को तैयार है। इससे पहले हाल ही में उन्होंने भारतीय सिनेमा में बजट के मॉडल को लेकर बात की। उन्होंने इस पर चिंता जताते हुए कहा कि पूरे बजट का एक बड़ा हिस्सा सितारे ले लेते हैं। इसके बाद प्रोडक्शन के लिए कम बजट बचता है। यह मॉडल लंबे वक्त तक नहीं चलेगा।

गिप्पी ग्रेवाल ने बॉलीवुड की टूटी अर्थव्यवस्था और खराब बजट मॉडल पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि फिल्मों से 79 प्रतिशत हिस्सा एक्टर ले जाते हैं। उनका कहना है कि बजट इंडस्ट्री की सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। गिप्पी ग्रेवाल ने कहा कि स्टार्स की बढ़ती फीस और घटता प्रोडक्शन बजट। इंडियन सिनेमा में बजट का एक ऐसा मॉडल बन गया है, जो लंबे समय तक नहीं चल सकता। इसमें फिल्म के बजट का बहुत बड़ा हिस्सा प्रोडक्शन के बजाय टैलेंट (स्टार्स) पर खर्च हो जाता है।

विदेशी इंडस्ट्री से तुलना की

गिप्पी ग्रेवाल का कहना है, 'कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में, कास्ट, डायरेक्टर और राइटर की कुल फीस फिल्म के बजट का लगभग 21 प्रतिशत होती है। बाकी 79 प्रतिशत हिस्सा फिल्म बनाने में खर्च होता है। यहां अक्सर इसका उल्टा होता है'। गिप्पी ग्रेवाल ने कहा, 'लगभग 79 प्रतिशत हिस्सा तो टीम ही ले जाती है, जिससे फिल्म बनाने के लिए बहुत कम पैसा बचता है। कलाकार करोड़ों रुपये लेते हैं और यहीं से असंतुलन शुरू होता है'।

लागत पर ध्यान की बजाय सुधार की जरूरत

गिप्पी ग्रेवाल का मानना है कि सिर्फ लागत कम करने पर ध्यान देने के बजाय, इंडस्ट्री को सुधार की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, 'यह रिकवरी मॉडल है। अगर रिकवरी स्वस्थ हो जाती है, तो उत्पादन मूल्यों में काफी सुधार हो सकता है। दिन के आखिर में, यह सब गणित है'। स्टार्स की फीस पर लगी सीमा (कैपिंग) को लेकर हो रही बहस पर वे कहते हैं कि बार-बार बॉक्स-ऑफिस पर फ्लॉप होने के बावजूद मार्केट एक्टर्स को अच्छा पैसा देता रहता है।

अदा शर्मा की मराठी डेब्यू फिल्म 'गजरा' का एलान; साल 2027 में होगी रिलीज

'द केरल स्टोरी' और '1920' जैसी फिल्मों से दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाली अदा शर्मा अब मराठी इंडस्ट्री में कदम रखने वाली हैं। उनकी पहली फिल्म होगी 'गजरा'। इसका एलान हो गया है। साथ ही पहली झलक भी सामने आई है। अदा शर्मा की डेब्यू मराठी फिल्म 'गजरा' का आधिकारिक एलान कर दिया गया है। यह फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी। अदा इसमें लीड रोल निभाती नजर आएंगी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर कर यह जानकारी साझा की है। साथ ही लिखा है, 'मराठी में मेरी पहली फिल्म 'गजरा'। आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है'।

अदा ने फैंस से की ये गुजारिश

अदा शर्मा ने आगे लिखा है, 'मेरी पहली फिल्म '1920' से 'केरल स्टोरी', 'सनफ्लावर', 'कमांडो', 'बस्तर', 'रीता सान्याल' तक, आपने मुझे बहुत प्यार दिया। हार्टअटैक, क्षणम, राणा विक्रम और मेरी सभी साउथ फिल्मों के लिए भी खूब प्यार दिया। मुझे अपने मराठी डेब्यू के लिए भी आप सभी के आशीर्वाद, साथ और प्यार की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि मैं आप सभी को गौरवान्वित कर सकूंगी और एक ऐसी फिल्म बना सकूंगी, जिसे आप सभी पसंद करें।

सच्ची घटना पर आधारित होगी कहानी

फिल्म का पोस्टर काफी दिलचस्प है। इससे सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक अंधेरे, परेशान करने वाली और कठिन कहानी का संकेत मिल रहा है। अदा शर्मा की इस फिल्म का निर्देशन श्रेयस जाधव कर रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्माण अमोल बोरकर कर रहे हैं। गणराज स्टूडियोज की पेशकश फिल्म 'गजरा' जिग जैग प्रोडक्शन्स की पहली फिल्म है। अदा ने अपने पोस्ट में यह बताया है कि यह फिल्म सच्ची घटना पर बेस्ड है।

देवदत्त मनीषा बाजी का होगा संगीत

फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी देवदत्त मनीषा बाजी संभालेंगे। बता दें कि देवदत्त महाराष्ट्र के एक जाने-माने संगीतकार, म्यूजिक अरेंजर और प्रोड्यूसर हैं। वे मराठी सिनेमा में अपने शानदार ऐतिहासिक और लोक-संगीत के लिए विशेष रूप से लोकप्रिय हैं।

बॉक्स ऑफिस को लेकर आज भी एक्साइटमेंट और टेंशन

अपनी आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की रिलीज से पहले सुनील शेट्टी ने बताया कि बॉक्स ऑफिस को लेकर आज भी एक्साइटमेंट, टेंशन और घबराहट बनी रहती है।

बातचीत में सुनील शेट्टी ने कहा कि एक फिल्म की सफलता काफी हद तक उसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, 'सब कुछ इससे जुड़ा होता है। एक शुक्रवार को आप टॉप पर हो सकते हैं और अगले शुक्रवार को नहीं भी हो सकते। इसलिए एक्साइटमेंट, टेंशन और घबराहट हमेशा रहती है।'

क्या है सेफ्टी नेट

इस पर सुनील ने कहा, 'इस फिल्म में बहुत शानदार स्टार कास्ट है- अक्षय, परेश जी, जॉनी भाई, अरशद, तुषार, श्रेयस, दलेर पाजी और कई दूसरे कलाकार। इतने टैलेंटेड लोगों के साथ काम करना एक तरह का सेफ्टी नेट देता है।' सुनील ने आगे कहा, 'फिल्म बहुत एंटरटेनिंग है। मैं यह नहीं कह सकता कि यह अच्छी है या खराब, क्योंकि हर किसी का नजरिया अलग होता है। जब हम फिल्म देखते हैं, तो हमें बहुत मजा आता है। लेकिन जब दर्शक शुक्रवार को इसे देखेंगे, तो उनका नजरिया बिल्कुल अलग हो सकता है।' फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' 26 जून को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में अक्षय और सुनील शेट्टी के अलावा दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, आफताब शिवदासानी, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, किरण कुमार, जाकिर हुसैन, विंदू दारा सिंह भी हैं। इनके अलावा भी कई एक्टर्स इस फिल्म का हिस्सा हैं।

वेब सीरीज 'राख' से बदली दिव्या शर्मा की जिंदगी

अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'राख' में दिव्या शर्मा ने सुमन की भूमिका निभाई है। इस सीरीज में अली फजल मुख्य भूमिका में नजर आए। 1978 के कुख्यात रंगा-बिल्ला केस से प्रेरित इस सीरीज से दिव्या की जिंदगी में काफी बदलाव आए हैं। जिसकी खास झलक उन्होंने तस्वीरों के जरिए सोशल मीडिया पर शेयर की है। दिव्या ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। जिससे साफ पता चल रहा है कि सीरीज 'राख' ने उनकी जिंदगी कितनी बदल दी है। इस तस्वीर में दिव्या 'मिर्जापुर' फेम श्वेता त्रिपाठी उर्फ गोलू के साथ बेहद खुश दिख रही हैं। बॉलीवुड निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने वेब सीरीज का एक खास पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्टर के साथ करण जौहर ने दिव्या की तारीफ की है। करण ने लिखा, ' दिव्या शर्मा, आप बहुत बढ़िया हैं।' इस तस्वीर में दिव्या के साथ फिल्म 'राख' की पूरी टीम के सदस्य पोज देते नजर आ रहे हैं। इस सीरीज में अली फजल और सोनाली बेंद्रे मुख्य भूमिका में हैं। वहीं आकाश मखीजा, रमनदीप यादव, दिव्या शर्मा और विवान शर्मा भी वेब सीरीज में खास भूमिका निभाई है। वेब सीरीज 'राख' का निर्देशन 'परी' और 'पाताल लोक' जैसी डार्क दुनिया रच चुके प्रोसित रॉय ने किया है। यह सीरीज अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम हो चुकी है। इस तस्वीर में दिव्या सीरीज 'राख' के पोस्टर के

सामने पोज देती नजर आ रही हैं। इससे पहले दिव्या 'ग्राम चिकित्सालय' में जूही के किरदार में नजर आई थीं। सीरीज में सुमन को एक 16 साल की मासूम लेकिन समझदार लड़की के रूप में दिखाया गया है, जो अपने भाई के साथ घर से निकलती है और फिर दोनों लापता हो जाते हैं। सीरीज 'राख' में दिव्या शर्मा के अभिनय की हर कोई तारीफ कर रहा है। इस किरदार में दिव्या काफी नेचुरल और प्रभावशाली नजर आईं, जो उन्हें खास बनाती है। 'ग्राम चिकित्सालय' में दिव्या ने जूही का किरदार निभाया है। ये वेब सीरीज भी अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई थी। इस शो के दो सीजन रिलीज हो चुके हैं।

करियर में आए बदलावों पर प्रियंका चोपड़ा ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड से निकल हॉलीवुड तक नाम कमा चुकीं प्रियंका चोपड़ा ग्लोबल स्टार हैं। इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह भारी-भरकम बजट में बनी फिल्म है, जिससे प्रियंका चोपड़ा को बहुत उम्मीदे हैं। एसएस राजामौली की इस फिल्म में प्रियंका के अलावा महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हाल ही में प्रियंका ने इस फिल्म पर बात की। साथ ही बताया कि वे जल्द ही एंजेलिना जोली के साथ काम करेंगी। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने फ्यूचर प्लान पर 'फॉर्च्यून इंडिया' से बात करते हुए बताया कि वे एंजेलिना जोली के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम करेंगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यह प्रोजेक्ट कोई फिल्म होगी, विज्ञापन होगा या कोई चैरिटी से जुड़ा काम। प्रियंका ने हॉलीवुड की उन महिलाओं में एंजेलिना जोली का भी जिक्र किया, जिनसे उन्हें प्रेरणा मिलती है। प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर में हुई तरक्की के बारे में बात की। हैदराबाद में शूटिंग के दौरान अपनी जिंदगी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'फिल्म 'वाराणसी' के सेट पर शूटिंग का माहौल बहुत मजेदार है। सभी एक्टर्स के परिवार साथ में हैं। हम मस्ती कर रहे हैं। हंस-बोल रहे हैं। साथ ही काम पर पूरा ध्यान है। रिहर्सल और फोकस के साथ काम हो रहा है'। इतने वर्षों में अपने करियर में हुई तरक्की पर बात करते हुए देसी गर्ल ने माना कि अब उन्हें काम में ज्यादा क्रिएटिव आजादी मिलती है। उन्होंने कहा, 'जब मैंने शुरुआत की थी, तब स्क्रिप्ट्स मेरे हिसाब से नहीं लिखी जाती थीं। अब मैं अपने प्रोजेक्ट्स खुद चुन सकती हूं और बना सकती हूं। इंटरनेशनल लेवल पर प्रियंका चोपड़ा फिल्ममेकर मीरा नायर की बायोपिक ड्रामा 'अमरी' से भी जुड़ी हुई हैं।

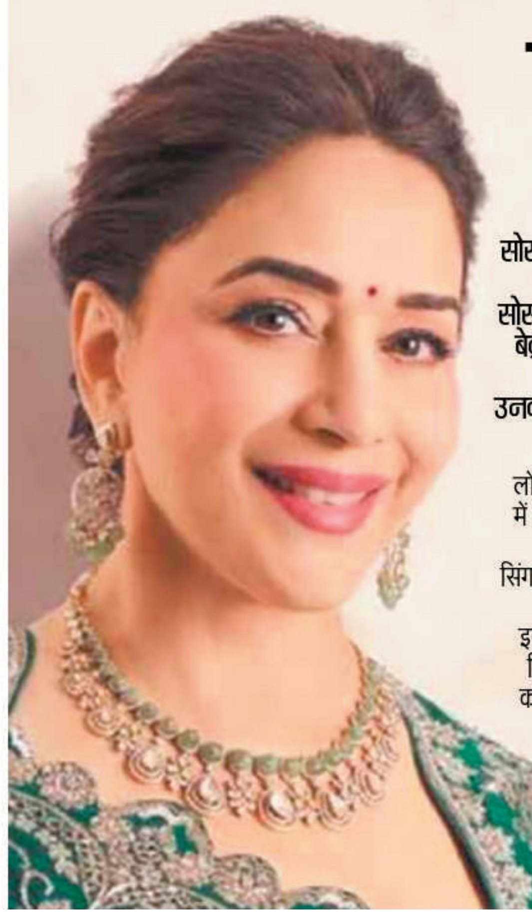

जो चीज खुशी दे, वो करना चाहिए

हमारे समाज में औरतों के चरित्र को उसके कपड़ों की लंबाई से जज किया जाता है और सोसायटी की इसी सोच पर चोट करती है, माधुरी दीक्षित की नई फिल्म मां बहन। फिर में सोसायटी के तमाम नियमों को तोड़ने वाली रूल बेक्रर रेखा बनी माधुरी दीक्षित ने खुद भी लोगों के जजमेंट का सामना किया है, मगर वह उनकी परवाह न करके अपनी मर्जी के मुताबिक जीने में यकीन रखती हैं।

लोगों के जजमेंट को लेकर माधुरी कहती हैं, 'समाज में जजमेंट तो है ही। आप चाहे स्क्रीन पर हों या किसी भी प्रफेशन में, हमें जज किया ही जाता है, खासकर सिंगल औरतों को और भी ज्यादा। मतलब वे काम से लेट आईं तो लोग कॉमेंट करना शुरू कर देते हैं कि अरे, इतनी देर से आ रही है। ऐसे ही हमारे भी प्रफेशन में है कि अच्छा, अब तो मां बन चुकी है, अभी भी क्यों काम कर रही हैं या ये कोई उम्र है क्या डांस करने की? ऐसे कॉमेंट भी आते हैं, जिसका सामना करना होता है, लेकिन मेरा मानना है कि जजमेंट के बावजूद आपको वो करना चाहिए जो चीज आपको खुशी देती है। कॉमेंट्स करना उन्हें खुशी देता है लेकिन हमें अपने आप में खुश रहना चाहिए।'

डांस से मुझे खुशी मिलती है

आज हम सोशल मीडिया के दौर में एज शेमिंग और वेट शेमिंग बहुत आम है। इस चलन पर माधुरी का कहना है, 'उम्र के साथ बदलाव आएगा ही। चेहरा बदलेगा, शरीर बदलेगा, लेकिन मैं फिर वही कहूंगी कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना। आपकी जिंदगी में लोगों की सोच का इतना प्रभाव नहीं होना चाहिए। आप वो करें जो आपको खुशी देता है। जैसे, मुझे डांस पसंद है तो मैं करूंगी क्योंकि उससे मुझे खुशी मिलती है। आप लोगों के नजरिए से हिसाब से अपनी जिंदगी नहीं जी सकते। आप अपनी जिंदगी अपने हिसाब से जिएं, लोग तो बोलते रहेंगे। हां, कभी-कभी बुरा बेशक लगता है कि लोग ऐसा क्यों कह रहे हैं, लेकिन उसे इतना सीरियसली न लें कि उससे आपकी जिंदगी प्रभावित होने लगे।' वहीं, 59 की उम्र में भी बेहद खूबसूरत और फिट माधुरी की फिटनेस का राज पूछने पर बताती हैं, 'इसके पीछे बहुत अनुशासन है। डायट का ख्याल रखना। एक्सरसाइज करना। मेरा डांस ही बहुत बड़ा एक्सरसाइज है। इसके साथ साथ सही समय पर सोना, कोई बुरी आदतें नहीं, वो सब मायने रखता है।'

मैन्युल पढ़कर नहीं बन सकते मां

फिल्म में दो जवान बेटियों की मां की भूमिका निभा रहीं माधुरी मांओं को एक ऊंचे मकाम पर खड़ा कर दिए जाने पर भी सवाल करती हैं। बकौल माधुरी, 'मां को हम एक ऐसे ऊंचे मकाम पर खड़ा कर देते हैं कि मां कुछ गलत नहीं कर सकती। उन्हें ये करना चाहिए, वो करना चाहिए। उन्हें कुछ भी हो जाए, कितनी भी बीमार हो जाए, पर घर का ख्याल तो रखना ही चाहिए। हमें समझना चाहिए कि वो भी इंसान हैं और उन्हें भी उसी तरह से देखा जाना चाहिए। उनकी भी कभी तबीयत खराब होगी, वे भी आराम डिजर्व करती हैं।' वहीं, निजी जिंदगी में उनका अपने बेटों संग कैसा तालमेल रहता है? इस पर वह हंसकर कहती हैं, 'मां बनने का मतलब है केयास। उसके बाद उथल-पुथल ही रहता है जिंदगी में क्योंकि हर बच्चा अलग होता है और आपको उन्हें समझना होता है। बच्चा किसी मैनुअल के हिसाब से तो पाला नहीं जा सकता।

बहुत तैयारी से आते हैं आज के ऐक्टर्स

माधुरी अपने दौर और आज नई पीढ़ी के कलाकारों, दोनों के साथ काम कर रही हैं। ऐसे में, इन दोनों पीढ़ियों के कलाकारों में वह क्या अंतर पाती हैं? यह पूछने पर वह बताती हैं, 'पहले के कलाकार जब इंडस्ट्री में आते थे तो दूर-दूर तक फिल्मों के बारे में कुछ पता नहीं होता था। हम बिल्कुल भी अनुभवी नहीं थे। हमें यह भी पता नहीं था कि सेट कैसे होते हैं। हमने काम करते-करते सब सीखा, लेकिन आज की पीढ़ी बहुत सारे ऐक्टिंग क्लासेस डांस क्लासेस करके आती है। उन्होंने ऐक्टिंग सीखी होती है। रील्स बनाए होते हैं। जैसे, मैं धारणा (इंफ्लूएंसर कोस्टार धारणा दुर्गा) को देखती हूं तो मुझे उन पर बहुत गर्व होता है क्योंकि वह खुद अपना कॉन्टेंट लिखती हैं। उनका आब्जर्वेशन इतना स्ट्रॉन्ग है, फिर उसे कॉमिडी में ढालती हैं और लोगों को हंसाती हैं, वह कमाल की चीज है। हमारे यहां वुमन कमीडियंस बहुत कम रही हैं। ऐसे में आज जब मैं देखती हूं कि लड़कियां स्टैंड अप कॉमिडी कर रही हैं तो मुझे बहुत खुशी होती है। इसी तरह तृप्ति ने बहुत कमाल की फिल्में की हैं, जिसके बाद उन्हें पहचान मिली है। इस फिल्म में भी उनका अभिनय लाजवाब है तो मुझे इन पर बहुत गर्व होता है कि इन्होंने बहुत कम समय में इतना कुछ हासिल किया है।'